



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शनिवार, 30 सितम्बर, 2023/08 आश्विन, 1945

हिमाचल प्रदेश सरकार

राज्य कर एवं आबकारी विभाग

अधिसूचना संख्या: 29/2023—राज्य कर

शिमला—2, 18 सितम्बर, 2023

संख्या ई.एक्स.एन.—एफ.(10)—5/2023.—हिमाचल प्रदेश माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (2017 का 10) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 148 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का

प्रयोग करते हुए, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, जीएसटी परिषद् की सिफारिशों पर, उक्त अधिनियम की धारा 107 की उप-धारा (2) में निर्दिष्ट किसी रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति या अधिकारी द्वारा अनुपालन की जाने वाली निम्नलिखित विशेष प्रक्रिया अधिसूचित करते हैं, जो एसएलपी (सी) संख्यांक 32709-32710/2018 भारत संघ बनाम फिल्को ट्रेड सेंटर प्राइवेट लिमिटेड के मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुसरण में परिपत्र संख्या 182/14/2022-जीएसटी, जोकि आयुक्त, राज्य कर एवं आबकारी द्वारा संख्या ई.एक्स.एन.-सी 009(08)/1/2021-जीएसटी सैल-पार्ट-36875-93, दिनांक 30 नवंबर, 2022 जो जारी की गई है, के अनुसार उक्त अधिनियम की धारा 73 या धारा 74 के अधीन उचित अधिकारी द्वारा पारित आदेश के विरुद्ध कोई अपील फाइल करने का आशय रखता है।

2. आदेश के विरुद्ध अपील इस अधिसूचना के उपाबंध-1 पर दिये संलग्न प्ररूप में दो प्रतियों में की जाएगी और उक्त अधिनियम की यथा स्थिति, धारा 107 की उप-धारा (1) या धारा 107 की उप-धारा (2) में निर्दिष्ट समय के भीतर अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष मैन्युअल रूप से प्रस्तुत की जाएगी और ऐसे समय की गणना इस अधिसूचना के जारी होने की तारीख या उक्त आदेश की तारीख, जो भी पश्चातवर्ती हो, से की जाएगी :

परंतु इस अधिसूचना के जारी होने से पहले अपीलीय प्राधिकारी के पास उक्त अधिनियम की धारा 107 के उपबंधों के अनुसार आदेश के विरुद्ध फाइल कोई भी अपील इस अधिसूचना के अनुसार फाइल की गई मानी जाएगी।

3. अपीलार्थी को उक्त आदेश के विरुद्ध अपील फाइल करने की पूर्व शर्त के रूप में उक्त अधिनियम की धारा 107 की उप-धारा (6) में निर्दिष्ट कोई भी रकम जमा करना अपेक्षित नहीं होगा।

4. इस अधिसूचना के अधीन फाइल की गई अपील के साथ आदेश की स्व-प्रमाणित प्रति सहित सुसंगत दस्तावेज संलग्न होंगे और ऐसी अपील तथा सुसंगत दस्तावेजों पर हिमाचल प्रदेश माल और सेवा कर नियम, 2017 के नियम 26 के उप-नियम (2) में निर्दिष्ट व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे।

5. अपील की प्राप्ति पर जो इस अधिसूचना में उपबंधित सभी अपेक्षाओं को पूरा करती है, अपील संख्यांक को उपदर्शित करते हुए एक पावती, अपीलीय प्राधिकारी या उसके द्वारा इस संबंध में प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्ररूप जीएसटी एपीएल-02 में मैन्युअल रूप से जारी की जाएगी और अपील केवल तभी फाइल की जाएगी जब उपरोक्त पावती जारी की हो।

6. अपीलीय प्राधिकारी, अपने आदेश के साथ, इस अधिसूचना के साथ उपाबंध-2 के रूप में संलग्न प्ररूप में आदेश का सारांश जारी करेगा।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित / -

(भरत खेड़ा),

प्रधान सचिव (राज्य कर एवं आबकारी)।

उपाबंध-1

अपीलीय प्राधिकारी को अपील

[एसएलपी (सी) सं0 32709-32710/2018 भारत संघ बनाम फिल्को ट्रेड सेंटर प्राइवेट लिमिटेड के मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी निर्देशों के अनुसरण में परिपत्र संख्या 182/14/2022-जीएसटी, तारीख 30 नवंबर, 2022 के अनुसार पारित आदेश के विरुद्ध फाइल की गई।]

1. जीएसटीआईएन:
2. अपीलार्थी का विधिक नाम:
3. व्यापार का नाम, यदि कोई हो:
4. पता:
5. आदेश संख्या — आदेश तारीख:
6. जिस आदेश के विरुद्ध अपील की गई है उसे पारित करने वाले अधिकारी का पदनाम:
7. जिस आदेश के विरुद्ध अपील की गई है उसकी संसूचना की तारीख:
8. प्राधिकृत प्रतिनिधि का नाम:
9. विवादाधीन मामले के ब्यौरे:
 - (i) विवादाधीन मामले का संक्षिप्त विवरण
 - (ii) परिपत्र संख्यांक 182/14/2022—जीएसटी, तारीख 30 नवंबर, 2022 (अधिनियम—वार) जारी होने से पूर्व दावा की गई ट्रांजिशनल क्रेडिट की रकम।
 - (iii) उपरोक्त उपमद (ii) में निर्दिष्ट दावे के संबंध में धारा 73/74 के अधीन पारित किसी भी आदेश के ब्यौरे :
 - (क) आदेश संख्या: आदेश तारीख:
 - (ख) उक्त आदेश के अनुसार अनुज्ञात रकम (अधिनियम—वार) — रु.
 - (ग) उक्त आदेश के अनुसार उद्धरण हुआ ब्याज और जुर्माना (अधिनियम— वार) रु.
 - (घ) क्या उक्त आदेश के विरुद्ध कोई अपील दायर की गई है — हां/नहीं
 - (ङ.) यदि अपील फाइल की गई है तो अपील संख्या — अपील तारीख :
 - (च) उक्त अपील की प्रास्थिति — निस्तारित/लंबित
 - (छ) यदि अपील का निपटारा हो जाता है तो उक्त अपील के अनुसार स्वीकृत क्रेडिट रकम (अधिनियम—वार)— रु.
 - (iv) परिपत्र संख्यांक 182/14/2022—जीएसटी, तारीख 30 नवंबर, 2022 (अधिनियम—वार) जारी होने से पूर्व दावा की गई ट्रांजिशनल क्रेडिट की रकम।
 - (v) उपरोक्त उपमद (iii) में निर्दिष्ट दावे के अनुसरण में स्वीकृत क्रेडिट की रकम (अधिनियम—वार) रु.
 - (vi) विवादाधीन रकम (अधिनियम—वार) रु.
10. क्या अपीलार्थी व्यक्तिगत सुनवाई चाहता है — हां/नहीं

11. तथ्यों का विवरण:
12. अपील के आधार:
13. प्रार्थना:

सत्यापन

मैं, _____, सत्यनिष्ठा से पुष्टि और घोषणा करता हूँ कि यहां ऊपर दी गई जानकारी मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है और इसमें कुछ भी छिपाया नहीं गया है।

स्थान:

तारीख:

हस्ताक्षर,
आवेदक का नाम।

टिप्पण:

1. यदि किसी प्रश्न का उत्तर देने के लिए दिया गया स्थान अपर्याप्त पाया जाता है, तो अलग शीट का उपयोग किया जा सकेगा।
2. अक्षर "एन.ए." किसी भी मद के विरुद्ध अभिलिखित किया जा सकेगा जो इस अपील के लिए अपेक्षित नहीं है।

उपाबंध-2

परिपत्र संख्यांक 182/14/2022-जीएसटी, तारीख 30 नवंबर, 2022 के अनुसार पारित किसी आदेश के संदर्भ में अपीलीय प्राधिकारी द्वारा आदेश जारी करने के पश्चात् उपलब्ध संक्रमणकालीन क्रेडिट का सारांश

क. जीएसटीआईएन:

ख. अपीलार्थी/व्यक्ति का नाम:
अपीलार्थी/व्यक्ति का पता :

ग. आदेश के विरुद्ध अपील की गई संदर्भ (यदि कोई हो)

तारीख:

घ. अपील संख्या :

तारीख:

ङ. व्यक्तिगत सुनवाई :

च. संक्षेप में आदेश :

छ. आदेश की प्रास्थिति : पुष्टि/उपांतरित/निरस्त

ज. अपील के पश्चात् क्रेडिट/मांग की राशि:

विशिष्टियां	केंद्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर
(क) उचित अधिकारी के आदेश के अनुसरण में अनुज्ञेय पाई जाने वाली संक्रमणकालीन क्रेडिट रकम।		
(ख) अपीलीय प्राधिकारी द्वारा अवधारित रकम		

स्थान:

तारीख:

हस्ताक्षर,

अपीलीय प्राधिकारी का नाम,

पदनाम,

अधिकारिता।

[Authoritative English text of this Department Notification No. EXN-F(10)-5/2023, dated 18-09-2023 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

STATE TAXES AND EXCISE DEPARTMENT

Notification No. 29/2023-State Tax

Shimla-2, the 18th September, 2023

No. EXN-F(10)-5/2023.—In exercise of the powers conferred by Section 148 of the Himachal Pradesh Goods and Services Tax Act, 2017 (10 of 2017) (hereinafter referred to as the said Act), the Governor of Himachal Pradesh, on the recommendations of the GST Council, is pleased to notify the following special procedure to be followed by a registered person or an officer referred to in sub-section (2) of Section 107 of the said Act who intends to file an appeal against the order passed by the proper officer under section 73 or 74 of the said Act in accordance with Circular No. 182/14/2022-GST issued *vide* EXN-C009(08)/1/2021-GST CELL-Part-I-36875-93, dated 30th day of November, 2022 by the Commissioner, State Taxes and Excise, pursuant to the directions of the Hon'ble Supreme Court in the case of Union of India v/s Filco Trade Centre Pvt. Ltd., SLP(C) No. 32709-32710/2018.

2. An appeal against the order shall be made in duplicate in the Form appended to this notification at ANNEXURE-1 and shall be presented manually before the Appellate Authority within the time specified in sub-section (1) of Section 107 or sub-section (2) of Section 107 of the said Act, as the case may be, and such time shall be computed from the date of issuance of this notification or the date of the said order, whichever is later:

Provided that any appeal against the order filed in accordance with the provisions of Section 107 of the said Act with the Appellate Authority before the issuance of this Notification, shall be deemed to have been filed in accordance with this notification.

3. The appellant shall not be required to deposit any amount as referred to in sub-section (6) of section 107 of the said Act as a pre-condition for filing an appeal against the said order.

4. An appeal filed under this notification shall be accompanied by relevant documents including a self-certified copy of the order and such appeal and relevant documents shall be signed by the person specified in sub-rule (2) of rule 26 of Himachal Pradesh Goods and Services Tax Rules, 2017.

5. Upon receipt of the appeal which fulfills all the requirements as provided in this notification, an acknowledgement, indicating the appeal number, shall be issued manually in **FORM GST APL-02** by the Appellate Authority or an officer authorised by him in this behalf and the appeal shall be treated as filed only when the aforesaid acknowledgement is issued.

6. The Appellate Authority shall, along with its order, issue a summary of the order in the Form appended to this notification as **ANNEXURE-2**.

By order,

Sd/-
(BHARAT KHERA),
Pr. Secretary (ST&E).

ANNEXURE-1

Appeal to Appellate Authority

[Filed against an order passed in accordance with Circular No. 182/14/2022-GST, dated 30th November, 2022 pursuant to the directions issued by the Hon'ble Supreme Court in the Union of India v/s Filco Trade Centre Pvt. Ltd., SLP(C) No.32709-32710/201].

1. GSTIN:
2. Legal name of the appellant ;
3. Trade name, if any :
4. Address :
5. Order No. : Order dated :
6. Designation of the officer passing the order appealed against :
7. Date of communication of the order appealed against :
8. Name of the authorized representative :
9. Details of the case under dispute :
 - (i) Brief issue of the case under dispute :
 - (ii) Amount of transitional credit claimed before the issuance of circular No. 182/14/2022-GST, dated 30th of November, 2022 (Act-wise).
 - (iii) Details of any order u/s 73/74 passed in respect of the claim referred to in sub-item (ii) above:

- (a) Order No. : _____ Order dated: _____
- (b) Amount allowed as per said order (Act-wise)-Rs. _____
- (c) Interest and penalty levied as per said order (Act-wise)-Rs. _____
- (d) Whether any appeal preferred against said order-Yes/No _____
- (e) If appeal filed then Appeal No. _____ Appeal Date _____
- (f) Status of said Appeal-Disposed/Pending _____
- (g) If appeal disposed off then amount of credit allowed as per said Appeal (Act-wise)-Rs. _____
- (iv) Amount of transitional credit claimed after the issuance of circular No. 182/14/2022-GST, dated 30th of November, 2022 (Act-wise). _____
- (v) Amount of credit allowed in pursuance of claim referred to in sub-item (iii) above (Act-wise)-Rs. _____
- (vi) Amount under dispute (Act-wise)-Rs. _____
10. Whether the appellant wishes to be heard in person –Yes / No _____
11. Statement of facts: _____
12. Grounds of appeal: _____
13. Prayer: _____

VERIFICATION

I, _____, hereby solemnly affirm and declare that the information given hereinabove is true and correct to the best of my knowledge and belief and nothing has been concealed therefrom.

Place: _____

Date: _____

Signature. _____

Name of the Applicant. _____

Note:

1. If the space provided for answering any item is found to be insufficient, separate sheets may be used.
2. The letters "N.A." may be recorded against any item that is not required for this Appeal.

SUMMARY OF TRANSITIONAL CREDIT AVAILABLE AFTER ISSUE OF ORDER BY THE APPELLATE AUTHORITY WITH REFERENCE TO AN ORDER PASSED IN ACCORDANCE WITH CIRCULAR NO.182/14/2022-GST, DATED 30th of NOVEMBER, 2022.

A. GSTIN:

B. Name of the Appellant/ person:

Address of the Appellant/person :

C. Order appealed against-Ref. (if any) :

Dated:

D. Appeal No.

Dated:

E. Personal Hearing:

F. Order in Brief:

G. Status of Order-Confirmed/Modified/Rejected :

H. Amount of Credit/ Demand after Appeal:

Particulars	Central Tax	State/UT Tax
(a) Amount of transitional credit found to be admissible pursuant to order of the Proper Officer.		
(b) Amount determined by Appellate Authority		

Place:

Date:

Signature:

Name of the Appellate Authority.

Designation:

Jurisdiction:

राज्य कर एवं आबकारी विभाग

अधिसूचना संख्या: 30/2023-राज्य कर

शिमला-2, 18 सितम्बर, 2023

संख्या ई.एक्स.एन.-एफ.(10)-5/2023.—हिमाचल प्रदेश माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (2017 का 10) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 148 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का

प्रयोग करते हुए, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, जीएसटी परिषद् की सिफारिशों पर, वह वर्णन जिसे इस अधिसूचना से उपाबंध अनुसूची के सतंभ (3) में तत्स्थानी प्रविष्टि में निर्दिष्ट किया गया है और यथास्थिति, उक्त अनुसूची सतंभ (2) में तत्स्थानी प्रविष्टि में यथाविनिर्दिष्ट टैरिफ मद, उप-शीर्ष, शीर्ष या अध्याय के अधीन आती हो, माल के विनिर्माण में लगे किसी रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा अपनाई जाने वाली निम्नलिखित विशेष प्रक्रिया को अधिसूचित करते हैं, अर्थात्:—

1. पैकिंग मशीनों का विवरण:

- (1) इस अधिसूचना की अनुसूची में, उल्लिखित मालों के विनिर्माण में लगे सभी विद्यमान रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति सामान्य पोर्टल पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से इस अधिसूचना के जारी किए जाने के 20 दिन के भीतर प्ररूप एस.आर.एम.—I में पाउच या कंटेनर को भरने और पैक करने के लिए उपयोग की जा रही पैक करने वाली मशीनों के ब्यौरे को तैयार करेगा,—

प्ररूप एस.आर.एम.—I

क्रम सं.	मशीन का निर्माण और मॉडल नंबर (निर्माता के नाम सहित)	मशीन की खरीद की तारीख	कारबार के स्थान का पता जहां स्थापित किया गया है	पटरियों की संख्या	प्रत्येक ट्रैक की पैकिंग क्षमता	मशीन की कुल पैकिंग क्षमता	मशीन द्वारा प्रति घंटे बिजली की खपत	सहायक दस्तावेज	मशीन की युनिक आईडी (ऑटो पॉप्युलेट होने के लिए)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
								<<चार्टर्ड इंजन से क्षमता प्रमाण—पत्र>>	

- (2) कोई भी व्यक्ति जो इस अधिसूचना की अनुसूची में उल्लिखित माल का निर्माण करने का आशय रखता है और जिसे इस अधिसूचना के जारी होने के पश्चात् रजिस्ट्रीकरण प्रदान किया गया है, ऐसी रजिस्ट्रेशन के मंजूरी के पंद्रह दिनों के भीतर सामान्य पोर्टल पर प्ररूप एस. आर. एम. में पाउच और कंटेनर को भरने और पैकिंग के लिए उपयोग की जा रही पैकिंग मशीनों के ब्यौरे को पूरा करेगा ।
- (3) कारबार के रजिस्ट्रीकृत स्थान में स्थापित की जा रही किसी भी अतिरिक्त भरने और पैकिंग मशीन के ब्यौरे प्ररूप आईआईए—I में ऐसे अवस्थापन के 24 घंटे के भीतर उक्त रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा सामान्य पोर्टल पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रस्तुत किया जाएगा ।
- (4) प्ररूप एसआरएम—I या प्ररूप एसआरएम—II क में ऐसे ब्यौरे प्रस्तुत करने पर प्रत्येक मशीन के लिए एक विशिष्ट आईडी तैयार की जाएगी, जिसके ब्यौरे सामान्य पोर्टल पर रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों द्वारा प्रस्तुत किया गया है ।
- (5) यदि उक्त रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति ने किसी अन्य सरकारी विभाग या किसी अन्य अभिकरण या संगठन को विनिर्माण इकाई या उसकी मशीनों को उत्पादन क्षमता प्रस्तुत या घोषित किया है, उक्त घोषणा या प्रस्तुत करने के पंद्रह दिनों के भीतर सामान्य पोर्टल पर प्ररूप एसआरएम—I क में उक्त रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा:

परंतु जहां उक्त रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति ने अपनी विनिर्माण इकाई या उसकी मशीनों की उत्पाद क्षमता को किसी अन्य सरकारी विभाग या किसी अन्य अभिकरण या संगठन को इस अधिसूचना को जारी करने से पूर्व प्रस्तुत या घोषित किया है, इस अधिसूचना के जारी किए जाने के तीस दिन के भीतर सामान्य पोर्टल पर प्ररूप एसआरएम— I—क में उक्त रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा ।

प्ररूप एसआरएम-I क

क्र. सं.	सरकारी विभाग/किसी एजेंसी या संगठन का नाम	घोषणा/प्रस्तुति का प्रकार	घोषणा/प्रस्तुति का प्रकार
(1)	(2)	(3)	(4)
		<< घोषणा की प्रति को पोर्टल पर अपलोड किया जाना >>	

प्ररूप एसआरएम-II क

[अतिरिक्त मशीन(नों) के अवस्थापन के ब्यौरे]

क्रम सं.	मशीन का मेक और मॉडल नंबर (निर्माता के नाम सहित)	मशीन की खरीद की तारीख	मशीन की स्थापना की तारीख	कारबार के स्थान का पता जहां स्थापित किया गया है	पटरियों की संख्या	प्रत्येक ट्रैक की पैकिंग क्षमता	मशीन की कुल पैकिंग क्षमता	मशीन द्वारा प्रति घंटे बिजली की खपत	सहायक दस्तावेज	मशीन की यूनिट आईडी (ऑटो पोप्युलेट होने के लिए)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
									<<चार्टर्ड इंजीनियर से क्षमता प्रमाण-पत्र>>	

- (6) कारबार के रजिस्ट्रीकृत स्थान से हटाए गए किसी विद्यमान भरने और पैक करने वाली मशीन के ब्यौरे को प्ररूप एस.आर.एम.-II ख में ऐसे हटाए जाने के 24 घंटे के भीतर रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा सामान्य पोर्टल पर इलैक्ट्रानिक रूप से प्रस्तुत किया जाएगा।

प्ररूप एसआरएम-IIख

[विद्यमान मशीन(नों) के हटाए जाने ब्यौरे]

क्रम सं.	मशीन की यूनिट आईडी	मशीन का निर्माण और मॉडल नंबर <<ऑटो पोप्युलेट>>	मशीन की खरीद की तारीख <<ऑटो पोप्युलेट>>	कारबार के स्थान का पता जहां हटाया जाता है <<ऑटो पोप्युलेट >>	पटरियों की संख्या <<ऑटो पोप्युलेट>>	प्रत्येक ट्रैक की पैकिंग क्षमता <<ऑटो पोप्युलेट>>	मशीन की कुल पैकिंग क्षमता <<ऑटो पोप्युलेट>>	हटाने की तारीख	मशीन को हटाने/ निपटान करने के कारण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
									<<तीसरे पक्ष को बेचा या>> <<कबाड़>>

2. अनुसूची में उल्लिखित माल के विनिर्माण करने वाले रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों द्वारा रख-रखाव किए जाने के लिए अतिरिक्त अभिलेख:

- (1) अनुसूची में उल्लिखित माल के विनिर्माण में लगा प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति कारबार के प्रत्येक स्थान में प्ररुप एस.आर.एम. –IIIक में यथानिर्दिष्ट प्ररुप में इलैक्ट्रानिक मीटर और जनरेटर सेट मीटर की दैनिक रीडिंग के रिकार्ड के साथ-साथ जनित किए गए अपशिष्ट के ब्यौरे के साथ-साथ मात्रा और मूल्य के निबंधन में प्रोदभूत और उपयोग किए जा रहे इनपुट के दैनिक अभिलेख को रखेगा ।
- (2) तथापि, उक्त रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति कारबार के प्रत्येक स्थान में प्ररुप एस.आर.एम.–IIIख में यथाविनिर्दिष्ट एक प्ररुप में मात्रा और मूल्य के निबंधन में मशीन-वार उत्पादन, उत्पाद-वार और ब्रांड- वार अनापत्ति के ब्यौरे के दैनिक शिफ्ट-वार अभिलेख भी रखेगा ।

प्ररुप एस.आर.एम. IIIक
उत्पादन रजिस्टर

दिन 1	इनपुट का एचएसएन	इनपुट का विवरण	इकाई की मात्रा	प्रारंभिक रोकड़ (इकाइयों में)	खरीदी गई मात्रा (इकाइयों में)	खरीदी गई मात्रा (रुपये में मूल्य)	क्यूटी खपत (इकाइयों में)	क्यूटी खपत (इकाइयों में)	उक्त इनपुट (इकाइयों में) के संबंध में उत्पन्न अपशिष्ट
	1	2	3	4	5	6	7	8	9
	एचएस एन 1								
	एचएस एन 2								
	एचएस एन 3								
	:								
	:								
	:								
	:								
	एचएस एन								
दिन 2									
दिन 3									

महीने का अंतिम दिन									

दिन 1	बिजली रीडिंग					
	बिजली रीडिंग			जनरेटर सेट मीटर रीडिंग		
	प्रारंभिक मीटर रीडिंग	अंतिम मीटर रीडिंग	खपत (कि.वा.)	प्रारंभिक मीटर रीडिंग	अंतिम मीटर रीडिंग	खपत (कि.वा.)
	1	2	3	4	5	6
दिन 2						
.....						
महीने का अंतिम दिन						

प्ररूप एसआरएम IIIख
इनपुट रजिस्टर

		ब्रांड बी 1										ब्रांड बी 2	ब्रांड बी एन
		मशीन एम 1 (मशीन की विशिष्ट आईडी का उल्लेख करें)								एम 2	एम एल	सभी मशीनों की कुल संख्या	
दिन 1		पैक किए गए पाउच पी 1 की कुल संख्या	पाउच पी.1 का इकाई मान	पैक किए गए पाउच पी 1 का कुल मूल्य (बी 1) (रुपये में)	पाउच की कुल संख्या कृपी. एन. पी. पैकड	पाउच का मूल्य.. पी. एन.	पाउच पीएन पैक (बीएन) का कुल मूल्य (रुपये में)	मशीन द्वारा पैक किए गए पाउच का कुल संख्या एम.1 (पी 1 + पी 2 + पी.एन)	मशीन द्वारा पैक किए गए पाउच का कुल मूल्य एम.1 (रु. में) (बी 1 + बी 2 + बी.एन)	सभी मशीनों द्वारा ब्रांड बी.1 का कुल उत्पादन मूल्य (रुपये)	
	शिफ्ट 1 00:00 से 00:00 घंटे												
	शिफ्ट 2 00:00 से 00:00 घंटे												
	शिफ्ट 3 00:00 से 00:00 घंटे												
	दिन के लिए कुल												
दिन 2													
माह का दिन													
	माह के लिए कुल												

3. विशेष मासिक कथन

- (1) उक्त रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति ऐसे मास के उत्तरवर्ती मास के दसवें दिन या उससे पूर्व सामान्य पोर्टल पर प्ररूप एस.आर.एम-IV में प्रत्येक माह के लिए विशेष कथन प्रस्तुत करेगा।

अनुसूची में विनिर्दिष्ट वस्तुओं के निर्माता द्वारा उपयोग किए गए आदानों और अंतिम माल का मासिक विवरण

महीने के लिए कुल	इनपुट का एचएसएन	इनपुट का विवरण	इकाई की मात्रा	प्रारंभिक रोकड़ (इकाइयों में)	खरीदी गई मात्रा (इकाइयों में)	खरीदी गई मात्रा (रुपये में मूल्य)	मात्रा खपत (इकाइयों में)	अंतिम शेष राशि (इकाइयों में)	उत्पन्न अपशिष्ट (इकाइयों में)
	1	2	3	4	5	6	7	8	9
	एचएसएन 1								
	एचएसएन 2								
	एचएसएन 3								
	...								
	एचएसएन								

मास के कुल 1	बिजली रीडिंग					
	बिजली रीडिंग			जनरेटर सेट मीटर रीडिंग		
	प्रारंभिक मीटर रीडिंग	अंतिम मीटर रीडिंग	खपत (कि.वा.)	प्रारंभिक मीटर रीडिंग	अंतिम मीटर रीडिंग	खपत (कि.वा.)
	1	2	3	4	5	6

[illegible]

अनुसूची

क्र. सं.	अध्याय/शीर्ष/उत्पादन/ टैरिफ मद	माल का विवरण
1	2	3
1.	2106 90 20	पान-मसाला
2.	2401	अनिर्मित तंबाकू (लाइम ट्यूब के बिना) – एक ब्रांड नाम के साथ
3.	2401	अनिर्मित तंबाकू (चूने ट्यूब के साथ)–एक ब्रांड नाम के साथ
4.	2401 30 00	तंबाकू से इंकार, एक ब्रांड नाम तंबाकू से इंकार, एक ब्रांड नाम
5.	2403 11 10	‘हुक्का’ या ‘गुडाकू’ तंबाकू जिसका ब्रांड नाम है
6.	2403 11 10	‘हुक्का’ या ‘चिलम’ धूम्रपान के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला तंबाकू जिसे आमतौर पर ‘हुक्का’ तंबाकू या ‘गुडाकू’ के रूप में जाना जाता है, जिसका ब्रांड नाम नहीं है।
7.	2403 11 90	अन्य पानी पाइप धूम्रपान तंबाकू एक ब्रांड नाम नहीं रखते हैं
8.	2403 19 10	पाइप और सिगरेट के लिए धूम्रपान मिश्रण
9.	2403 19 90	ब्रांड नाम वाले अन्य धूम्रपान तंबाकू
10.	2403 19 90	अन्य धूम्रपान करने वाले तंबाकू का ब्रांड नाम नहीं है
11.	2403 91 00	“होमोजेनाइज्ड” या “पुनर्गठित” तंबाकू जिसका ब्रांड नाम है
12.	2403 99 10	चबाने वाला तंबाकू (चूने की ट्यूब के बिना)
13.	2403 99 10	चबाने वाला तंबाकू (चूने की ट्यूब के साथ)
14.	2403 99 10	फिल्टर खैनी
15.	2403 99 20	चबाने वाले तंबाकू युक्त तैयारी
16.	2403 99 30	जर्दा सुगंधित तंबाकू
17.	2403 99 40	सुंघनी
18.	2403 99 50	सुंघनी युक्त तैयारी
19.	2403 99 60	तंबाकू के अर्क और एक ब्रांड नाम वाले सार
20.	2403 99 60	तंबाकू के अर्क और सार पर ब्रांड नाम नहीं है
21.	2403 99 70	तंबाकू में कटौती
22.	2403 99 90	पान मसाला जिसमें तंबाकू ‘गुटखा’ होता है
23.	2403 99 90	पान मसाला के अलावा तंबाकू ‘गुटखा’ युक्त सभी सामान, एक ब्रांड नाम के साथ।
24.	2403 99 90	पान मसाला के अलावा तंबाकू ‘गुटखा’ युक्त सभी सामान, जिनका ब्रांड नाम नहीं है।

स्पष्टीकरण:

1. अनुसूची में टैरिफ “मद शीर्ष”, “उपशीर्ष” तथा “अध्याय” से सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची में यथाविनिर्दिष्ट क्रमशः टैरिफ मद शीर्ष उपशीर्ष और अध्याय अभिप्रेत है।
2. उक्त सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की पहली अनुसूची के निर्वचन के लिए नियम जिसके अंतर्गत पहली अनुसूची की धारा तथा अध्याय टिप्पण और साधारण स्पष्टीकारक टिप्पण भी है, इस अधिसूचना के निर्वचन में जहां तक वे लागू हैं।
3. इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए “ब्रांड नाम वाक्यांश से ब्रांड नाम या व्यापार नाम चाहे वह रजिस्ट्रीकृत हो अथवा नहीं, जैसा कि कहा जाता है एक नाम या मार्क अभिप्रेत है, जैसे प्रतीक, मोनोग्राम, लेबल, हस्ताक्षर या आविष्कृत शब्द या लिखा जाना, जो चिह्नित करने के प्रयोजन के लिए ऐसे विशिष्ट माल के संबंध में प्रयोग किया जाता है या ऐसे विशिष्ट माल के मध्य व्यापार

के अनुक्रम में संबंध को दर्शित करता हो तथा कुछ व्यक्ति ऐसे नाम या चिह्न के साथ या उस व्यक्ति की पहचान के किसी चिह्नांकन के बिना प्रयोग किया जाता हो ।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/—

(भरत खेड़ा),

प्रधान सचिव (राज्य कर एवं आबकारी)।

[Authoritative English text of this Department Notification No. EXN-F(10)-5/2023, dated 18-09-2023 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

STATE TAXES AND EXCISE DEPARTMENT'

Notification No. 30/2023-State Tax

Shimla-2, the 18th September, 2023

No. EXN-F(10)-5/2023.—In exercise of the powers conferred by Section 148 of the Himachal Pradesh Goods and Services Tax Act, 2017 (10 of 2017) (hereinafter referred to as the said Act), the Governor of Himachal Pradesh, on the recommendations of the GST Council, is pleased to notify the following special procedure to be followed by a registered person engaged in manufacturing of the goods, the description of which is specified in the corresponding entry in column (3) of the Schedule appended to this notification, and falling under the tariff item, sub-heading, heading or Chapter, as the case may be, as specified in the corresponding entry in column (2) of the said Schedule, namely:—

1. Details of Packing Machines:

(1) All the existing registered persons engaged in manufacturing of the goods mentioned in Schedule to this notification shall furnish the details of packing machines being used for filling and packing of pouches or containers in **FORM SRM-I**, within 30 days of issuance of this Notification, electronically on the common portal,—

FORM SRM-I

Sl. No.	Make and Model No. of the Machine (including the name of manufacturer)	Date of Purchase of the Machine	Address of place of business where installed	No. of Tracks	Packing Capacity of each track	Total packing capacity of machine	Electricity consumption by the machine per hour	Supporting Documents	Unique ID of the machine (to be auto-populated)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
								<<Capacity certificate from Chartered Engineer>>	

2. Any person intending to manufacture goods as mentioned in Schedule to this notification, and who has been granted registration after the issuance of this notification, shall

furnish the details of packing machines being used for filling and packing of pouches or containers in **FORM SRM-I** on the common portal, within fifteen days of grant of such registration.

3. The details of any additional filling and packing machine being installed in the registered place of business shall be furnished, electronically on the common portal, by the said registered person within 24 hours of such installation in FORM SRM-IIA.

4. Upon furnishing of such details in FORM SRM-I or FORM SRM-IIA, a unique ID shall be generated for each machine, whose details have been furnished by the registered person, on the common portal.

5. In case, the said registered person has submitted or declared the production capacity of his manufacturing unit or his machines, to any other government department or any other agency or organization, the same shall be furnished by the said registered person in FORM SRM-IA on the common portal, within fifteen days of filing said declaration or submission: Provided that where the said registered person has submitted or declared the production capacity of his manufacturing unit or his machines, to any other government department or any other agency or organization, before the issuance of this notification, the same shall be furnished by the said registered person in FORM SRM-IA on the common portal, within thirty days of issuance of this notification.

FORM SRM-IA

Serial No.	Name of Govt. Department/ any other agency or organization.	Type of Declaration/ Submission	Details of Declaration/ Submission
1	2	3	4
		<<copy of declaration to be uploaded on the portal>>	

FORM SRM-IIA

[Details of installation of additional machine(s)]

Sl. No.	Make and Model No. of the Machine (including the name)	Date of Purchase of the Machine	Date of installation of the Machine	Address of place of business where installed	No. of Tracks	Packing Capacity of each track	Total packing capacity of machine	Electricity consumption by the machine per hour	Supporting Documents	Unique ID of the machine (to be auto populated)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
									<<Capacity certificate from Chartered Engineer>>	

1. The details of any existing filling and packing machine removed from the registered place of business shall be furnished, electronically on the common portal, by the said registered person within 24 hours of such removal in FORM SRM-IIB.

FORM SRM-IIIB

Production Register

[illegible]

Last Day of the month														
	Total for the month													

3. Special Monthly Statement

1. The said registered person shall submit a special statement for each month in FORM SRM-IV on the common portal, on or before the tenth day of the month succeeding such month.

FORM SRM-IV

Monthly Statement of Inputs used and the final goods produced by the manufacturer of goods specified in Schedule.

PART-A

Total for Month	HSN of the Input	Description of the Input	Unit quantity	Opening Balance (in Units)	Quantity procured (in Units)	Quantity procured (Value in Rs.)	Quantity consumed (in Units)	Closing Balance (in Units)	Waste generate qty. (in units)
	1	2	3	4	5	6	7	8	9
	HSN 1								
	HSN 2								
	HSN 3								
							
	..								
	HSN n								

Total for the month	Electricity Reading					
	Electricity meter reading			Generator set meter reading		
	Initial Meter Reading on Day 1 of the month	Final Meter Reading on last day of the month	Consumption (kWh)	Initial Meter Reading on Day 1 of the month	Final Meter Reading on last day of the month	Consumption (kWh)
	1	2	3	4	5	6

Statement of production of goods**PART-B**

	Brand B1										Brand B2	Brand Bn
	Machine M1								M 2	M n	Total of all machines	
	Total No. of Pouch P1 packed	MRP value of Pouch P1	Total Value of Pouches P1 Packed (V1) (in Rs.)	Total No. of Pouches Pn Packed	Value of Pouch Pn	Total Value of Pouches Pn Packed (Vn) (in Rs.)	Total No. of Pouches Packed by Machine M1 (P1+P2+...Pn)	Total value of Pouches packed by machine M1 (in Rs.) (V1+V2+...Vn)	Total Production on value of Brand B1 by all machines (Rs)	
Total for the Month												

Schedule

Sl. No.	Chapter/ Heading/Sub- heading/Tariff item	Description of Goods
1	2	3
1.	2106 90 20	Pan-masala
2.	2401	Unmanufactured tobacco (without lime tube)–bearing a brand name
3.	2401	Unmanufactured tobacco (with lime tube)–bearing a brand name
4.	2401 30 00	Tobacco refuse, bearing a brand name
5.	2403 11 10	Hookah 'or' gudaku' tobacco bearing a brand name
6.	2403 11 10	Tobacco used for smoking 'hookah' or 'chilam' commonly known as 'hookah' tobacco or 'gudaku' not bearing a brand name
7.	2403 11 90	Other water pipe smoking tobacco not bearing a brand name
8.	2403 19 10	Smoking mixtures for pipes and cigarettes
9.	2403 19 90	Other smoking tobacco bearing a brand name
10.	2403 19 90	Other smoking tobacco not bearing a brand name
11.	2403 91 00	“Homogenised” or “reconstituted” tobacco, bearing a brand name
12.	2403 99 10	Chewing tobacco (without lime tube)
13.	2403 99 10	Chewing tobacco (with lime tube)
14.	2403 99 10	Filter khaini
15.	2403 99 20	Preparations containing chewing tobacco
16.	2403 99 30	Jarda scented tobacco
17.	2403 99 40	Snuff
18.	2403 99 50	Preparations containing snuff
19.	2403 99 60	Tobacco extracts and essence bearing a brand name
20.	2403 99 60	Tobacco extracts and essence not bearing a brand Name
21.	2403 99 70	Cut
22.	2403 99 90	Tobacoo Panmasala containing tobacco ‘Gutkha’
23.	2403 99 90	All goods, other than pan masala containing tobacco 'gutkha', bearing a brand name
24.	2403 99 90	All goods, other than pan masala containing tobacco 'gutkha', not bearing a brand name.

Explanation:

1. In this Schedule, “tariff item”, “heading”, “sub-heading” and “Chapter” shall mean respectively a tariff item, heading, sub-heading and Chapter as specified in the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975).
2. The rules for the interpretation of the First Schedule to the said Customs Tariff Act, 1975, including the Section and Chapter Notes and the General Explanatory Notes of the First Schedule shall, so far as may be, apply to the interpretation of this notification.
3. For the purposes of this notification, the phrase “brand name” means brand name or trade name, whether registered or not, that is to say, a name or a mark, such as symbol, monogram, label, signature or invented word or writing which is used in relation to such specified goods for the purpose of indicating, or so as to indicate a connection in the course of trade between such specified goods and some person using such name or mark with or without any indication of the identity of that person.

By order,

Sd/-
(BHARAT KHERA),
Pr. Secretary (ST&E).

राज्य कर एवं आबकारी विभाग

अधिसूचना संख्या: 32/2023—राज्य कर

शिमला—2, 18 सितम्बर, 2023

संख्या ई.एक्स.एन.—एफ.(10)—5/2023.—हिमाचल प्रदेश माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (2017 का 10) की धारा 44 के पहले परंतुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, परिषद की सिफारिशों पर, ऐसे रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, जिसका वित्तीय वर्ष 2022—23 में सकल आवर्त दो करोड़ रुपये तक है, को उक्त वित्तीय वर्ष हेतु वार्षिक विवरणी फाइल करने से छूट प्रदान करते हैं।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित /—

(भरत खेड़ा),

प्रधान सचिव,

(राज्य कर एवं आबकारी)।

[Authoritative English text of this Department Notification No. EXN-F(10)-5/2023, dated 18-09-2023 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

STATE TAXES AND EXCISE DEPARTMENT

Notification No. 32/2023-State Tax

Shimla-2, the 18th September, 2023

No. EXN-F(10)-5/2023.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 44 of the Himachal Pradesh Goods and Services Tax Act, 2017 (10 of 2017), the Governor of

Himachal Pradesh, on the recommendations of the Council, is pleased to exempt the registered person whose aggregate turnover in the financial year 2022-23 is upto two crore rupees, from filing annual return for the said financial year.

By order,

Sd/-
(BHARAT KHERA),
Pr. Secretary (ST&E).

राज्य कर एवं आबकारी विभाग

अधिसूचना संख्या: 34/2023-राज्य कर

शिमला-2, 18 सितम्बर, 2023

संख्या ई.एक्स.एन.-एफ.(10)-5/2023.—हिमाचल प्रदेश माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (2017 का 10) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 23 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, परिषद की सिफारिशों पर, एक इलेक्ट्रॉनिक वाणिज्य ऑपरेटर के माध्यम से मालों की पूर्ति करने वाले व्यक्तियों को विनिर्दिष्ट करते हैं, जिन्हें उक्त अधिनियम की धारा 52 के अधीन स्रोत पर कर संग्रह करने की आवश्यकता होती है और पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष और चालू वित्तीय वर्ष में कुल आवर्त, कुल आवर्त से अधिक नहीं होना चाहिए, जिसके ऊपर एक आपूर्तिकर्ता उक्त अधिनियम की धारा 22 की उप-धारा (1) के उपबंधों के अनुसार राज्य में रजिस्ट्रीकृत होने के लिए दायित्व के अधीन है, उक्त अधिनियम के अधीन रजिस्ट्रीकरण प्राप्त करने से छूट प्राप्त व्यक्तियों की श्रेणी के रूप में, निम्नलिखित शर्तों के अधीन होंगे, अर्थात्:—

- (i) ऐसे व्यक्ति माल की कोई अन्तराज्यीय आपूर्ति नहीं करेंगे;
- (ii) ऐसे व्यक्ति एक राज्य या संघ राज्यक्षेत्र से अधिक में इलेक्ट्रॉनिक वाणिज्य ऑपरेटर के माध्यम से मालों की आपूर्ति नहीं करेंगे;
- (iii) ऐसे व्यक्तियों को आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन जारी स्थायी खाता संख्यांक की आवश्यकता होगी ;
- (iv) ऐसे व्यक्ति, राज्य या संघ राज्यक्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक वाणिज्य ऑपरेटर के माध्यम से माल की आपूर्ति करने से पूर्व, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन जारी अपना स्थायी खाता संख्यांक, अपने व्यवसाय के स्थान और राज्य या संघ राज्यक्षेत्र, जिनमें ऐसी आपूर्ति करने का इच्छुक है, आम पोर्टल पर घोषित करेंगे, जो आम पोर्टल पर विधिमान्यकरण के अधीन होगा;
- (v) ऐसे व्यक्तियों को, खंड (iv) के अनुसार घोषित स्थायी खाता संख्यांक के सफलतापूर्वक विधिमान्यकरण के लिए आम पोर्टल पर एक नामांकन संख्या प्रदान की गई है;
- (vi) ऐसे व्यक्ति को एक राज्य या संघ राज्यक्षेत्र में एक से अधिक नामांकन संख्या प्रदान नहीं की जाएगी ;
- (vii) ऐसे व्यक्तियों द्वारा इलेक्ट्रॉनिक वाणिज्य ऑपरेटर के माध्यम से माल की आपूर्ति नहीं की जाएगी, जब तक कि ऐसे व्यक्तियों को सामान्य पोर्टल पर नामांकन संख्या प्रदान नहीं की गई हो; और

(viii) जहां ऐसे व्यक्तियों को उक्त अधिनियम की धारा 25 के अधीन रजिस्ट्रीकरण की पश्चात्पूर्ति अनुमति दी जाती है, नामांकन संख्या रजिस्ट्रीकरण की प्रभावी तारीख से विधिमान्य नहीं रह जाएगी ।

2. यह अधिसूचना 1 अक्टूबर, 2023 से प्रवृत्त होगी ।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/—

(भरत खेड़ा),

प्रधान सचिव,

(राज्य कर एवं आबकारी) ।

[Authoritative English text of this Department Notification No. EXN-F(10)-5/2023, dated 18-09-2023 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India]

STATE TAXES AND EXCISE DEPARTMENT

Notification No. 34/2023-State Tax

Shimla-2, the 18th September, 2023

No. EXN-F(10)-5/2023.—In exercise of the powers conferred by the sub-section (2) of Section 23 of the Himachal Pradesh Goods and Services Tax Act, 2017 (10 of 2017) (hereafter referred to as the said Act), the Governor of Himachal Pradesh, on the recommendations of the Council, is pleased to specify the persons making supplies of goods through an electronic commerce operator who is required to collect tax at source under section 52 of the said Act and having an aggregate turnover in the preceding financial year and in the current financial year not exceeding the amount of aggregate turnover above which a supplier is liable to be registered in the State in accordance with the provisions of sub-section (1) of Section 22 of the said Act, as the category of persons exempted from obtaining registration under the said Act, subject to the following conditions, namely:—

- (i) such persons shall not make any inter-State supply of goods;
- (ii) such persons shall not make supply of goods through electronic commerce operator in more than one State or Union territory;
- (iii) such persons shall be required to have a Permanent Account Number issued under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961);
- (iv) such persons shall, before making any supply of goods through electronic commerce operator, declare on the common portal their Permanent Account Number issued under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), address of their place of business and the State or Union territory in which such persons seek to make such supply, which shall be subjected to validation on the common portal;
- (v) such persons have been granted an enrolment number on the common portal on successful validation of the Permanent Account Number declared as per clause (iv);

- (vi) such persons shall not be granted more than one enrolment number in a State or Union territory;
- (vii) no supply of goods shall be made by such persons through electronic commerce operator unless such persons have been granted an enrolment number on the common portal; and
- (viii) where such persons are subsequently granted registration under section 25 of the said Act, the enrolment number shall cease to be valid from the effective date of registration.
2. This notification shall come into force with effect from the 1st day of October, 2023

By order,

Sd/-

(BHARAT KHERA),
Pr. Secretary (ST&E).

राज्य कर एवं आबकारी विभाग

अधिसूचना संख्या: 36/2023-राज्य कर

शिमला-2, 18 सितम्बर, 2023

संख्या ई.एक्स.एन.-एफ.(10)-5/2023.—हिमाचल प्रदेश माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (2017 का 10) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 148 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, परिषद की सिफारिशों पर, इलेक्ट्रॉनिक वाणिज्य प्रचालक को अधिसूचित करते हैं जिससे ऐसे व्यक्तियों के वर्ग के रूप में धारा 52 के अधीन स्रोत पर कर का संग्रहण किया जाना अपेक्षित है जो उक्त अधिनियम की धारा 10 के अधीन कर का संदाय करने वाले व्यक्ति (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त व्यक्ति कहा गया है) द्वारा इसके माध्यम से की गई माल की पूर्ति के संबंध में निम्नलिखित विशेष प्रक्रिया का अनुसरण करेंगे, अर्थात्:—

- (i) इलेक्ट्रॉनिक वाणिज्य प्रचालक उक्त व्यक्ति द्वारा इसके माध्यम से की गई मालों की किसी अंतर-राज्यीय पूर्ति को अनुज्ञात नहीं करेगा;
 - (ii) इलेक्ट्रॉनिक वाणिज्य प्रचालक उक्त व्यक्ति द्वारा इसके माध्यम से की गई मालों की पूर्ति के संबंध में उक्त अधिनियम की धारा 52 की उप-धारा (1) के अधीन स्रोत पर कर का संग्रहण करेगा और उक्त अधिनियम की धारा 52 की उप-धारा (3) के उपबंधों के अनुसार सरकार को संदाय करेगा ; और
 - (iii) इलेक्ट्रॉनिक वाणिज्य प्रचालक उक्त व्यक्ति द्वारा इसके माध्यम से की गई मालों की पूर्ति के ब्यौरे सामान्य पोर्टल पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्ररूप जीएसटीआर-8 में विवरण के रूप में प्रस्तुत करेगा।
2. यह अधिसूचना 1 अक्टूबर, 2023 से प्रवृत्त होगी ।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित /—

(भरत खेड़ा)

प्रधान सचिव,

(राज्य कर एवं आबकारी)।

[Authoritative English text of this Department Notification No. EXN-F(10)-5/2023, dated 18-09-2023 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

STATE TAXES AND EXCISE DEPARTMENT

Notification No. 36/2023-State Tax

Shimla-2, the 18th September, 2023

No. EXN-F(10)-5/2023.—In exercise of the powers conferred by the Section 148 of the Himachal Pradesh Goods and Services Tax Act, 2017 (10 of 2017) (hereafter referred to as the said Act), the Governor of Himachal Pradesh, on the recommendations of the Council, is pleased to notify the electronic commerce operator who is required to collect tax at source under Section 52 as the class of persons who shall follow the following special procedure in respect of supply of goods made through it by the persons paying tax under section 10 of the said Act (hereinafter referred to as the said person), namely: —

- (i) the electronic commerce operator shall not allow any inter-State supply of goods through it by the said person;
 - (ii) the electronic commerce operator shall collect tax at source under sub-section (1) of Section 52 of the said Act in respect of supply of goods made through it by the said person and pay to the Government as per provisions of sub-section (3) of section 52 of the said Act; and
 - (iii) the electronic commerce operator shall furnish the details of supplies of goods made through it by the said person in the statement in FORM GSTR-8 electronically on the common portal.
2. This notification shall come into force with effect from the 1st day of October, 2023.

By order,

Sd/-
(BHARAT KHERA),
Pr. Secretary (ST&E) .

राज्य कर एवं आबकारी विभाग

अधिसूचना संख्या: 38/2023—राज्य कर

शिमला-2, 18 सितम्बर, 2023

संख्या ई.एक्स.एन.—एफ.(10)—5/2023.—हिमाचल प्रदेश माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (2017 का 10) की धारा 164 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, परिषद् की सिफारिशों पर, हिमाचल प्रदेश माल और सेवा कर नियम, 2017 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश माल और सेवा कर (दूसरा संशोधन) नियम, 2023 है।

(2) इन नियमों में अन्यथा उपबंधित के सिवाय, ये राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. हिमाचल प्रदेश माल और सेवा कर नियम, 2017 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 8 में,—

(i) उप-नियम (4क) के स्थान पर निम्नलिखित उप-नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(4क) जहां धारा 25 की उप-धारा (6घ) के तहत अधिसूचित व्यक्ति के अलावा कोई आवेदक, आधार संख्या के प्रमाणीकरण का विकल्प चुनता है, तो उसे उप नियम (4) के तहत आवेदन जमा करते समय, आधार के प्रमाणीकरण से गुजरना होगा। ऐसे मामलों में संख्या और आवेदन जमा करने की तारीख आधार संख्या के प्रमाणीकरण की तारीख होगी, या उप नियम (4) के तहत फॉर्म जीएसटी आरईजी-01 के भाग ख में आवेदन जमा करने से पंद्रह दिन, जो भी पहले है।

परंतु कि उप-नियम (4) के तहत धारा 25 की उप-धारा (6घ) के अंतर्गत अधिसूचित व्यक्ति के अलावा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा किया गया प्रत्येक आवेदन, जिसने आधार संख्या के प्रमाणीकरण का विकल्प चुना है और सामान्य पोर्टल पर पहचाना गया है, के आधार पर डेटा विप्लव और जोखिम मापदंडों के बाद बायोमेट्रिक-आधारित आधार प्रमाणीकरण किया जाएगा और आवेदक की तस्वीर ली जाएगी जैसा कि धारा 25 की उप धारा (6ग) के अंतर्गत अधिसूचित किया गया है। आवेदक एक व्यक्ति नहीं है, साथ ही इस उप नियम के प्रयोजन के लिए आयुक्त द्वारा अधिसूचित सुविधा केन्द्रों में से किसी एक पर फॉर्म जीएसटी आरईजी-01 में आवेदन के साथ अपलोड किए गए दस्तावेजों की मूल प्रति का सत्यापन किया जाएगा। इस परंतुक के अंतर्गत निर्धारित प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही इसे पूर्ण माना जाएगा।”;

(ii) उप-नियम (5) में, शब्द, चिन्ह और अंक “उप-नियम (4)” के बाद, शब्द, चिन्ह, अंक और अक्षर “या उप-नियम (4क)” अंतस्थापित किए जाएंगे।

3. उक्त नियमों के नियम 9 के उप-नियम (1) के परन्तुक में बृहत पंक्ति में “उक्त व्यक्ति की उपस्थिति में” शब्दों का लोप किया जाएगा।

4. उक्त नियमों के नियम 10क में “किसी अन्य उपबंध के अनुपालन में सामान्य पोर्टल पर शब्दों और अंकों से शुरू होने वाले भाग और कोई अन्य ऐसी जानकारी देगा, जिसकी अपेक्षा की जाए, देगा” शब्दों के साथ समाप्त होने वाले शब्दों और अंकों के स्थान पर निम्नलिखित को रखा जाएगा, अर्थात्:—

“रजिस्ट्रीकरण प्रदान करने की तारीख से तीस दिन की अवधि के भीतर, या प्ररूप जीएसटीआर-1 में धारा 37 के अधीन मालों या सेवाओं या दोनों की जावक आपूर्तियों के ब्यौरे प्रस्तुत करने या बीजक प्रस्तुत करने की प्रसुविधा का उपयोग करने से पहले, जो भी पूर्वतर हो सामान्य पोर्टल पर बैंक खाते के ब्यौरे के संबंध में सूचना प्रस्तुत करेगा” ।

5. उक्त नियमों के नियम 21क में,—

(i) उपनियम (2क) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(2क) जहां—

(क) धारा 39 के अधीन किसी रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत की गयी विवरणियों की तुलना प्ररूप जीएसटीआर-1 में प्रस्तुत किए गए जावक प्रदायों के ब्यौरे या

उसके आपूर्तिकर्ता के द्वारा उनके प्ररूप जीएसटीआर-1 में प्रस्तुत किए गए जावक प्रदायों के ब्यौरे के आधार पर निष्कर्षित आवक प्रदायों के ब्यौरे, या ऐसे अन्य विशलेषण, जो परिषद की सिफारिशों पर किए जा सकेंगे, करने पर यह पता चलता हो कि ऐसी महत्वपूर्ण अंतर या विसंगतियां हैं जो अधिनियम के उपबंधों या इसके अंतर्गत बनाए गए नियमों के उल्लंघन को दर्शाता है, जिससे उक्त व्यक्ति का रजिस्ट्रीकरण रद्द किया जा सकता हो, या

(ख) रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा नियम 10क के उपबंधों का उल्लंघन किया गया है, ऐसे व्यक्ति का रजिस्ट्रीकरण निलंबित कर दिया जाएगा और ऐसे व्यक्ति को उक्त अंतर और विसंगतियों या अनुपालनों को दर्शाते हुए, सामान्य पोर्टल पर इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से, प्ररूप जीएसटी आरईजी-31 में या रजिस्ट्रीकरण के समय दिए गए ई-मेल पते, या समय-समय पर संशोधित पते पर इसके बारे में सूचित कर दिया जाएगा और उसे तीन दिनों के भीतर यह स्पष्ट करने के लिए कहा जाएगा कि उसके रजिस्ट्रीकरण को रद्द क्यों न किया जाए।”;

(ii) उप-नियम (4) में दूसरे परंतुक के पश्चात्, निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

“परन्तु यह भी कि जहां नियम 10क के उपबंधों के उल्लंघन के लिए उपनियम (2क) के अधीन रजिस्ट्रीकरण को निलंबित किया गया है और नियम 22 के अधीन समुचित अधिकारी द्वारा रजिस्ट्रीकरण को पहले से ही रद्द नहीं किया गया है, रजिस्ट्रीकरण के निलंबन को नियम 10क के उपबंधों के अनुपालन में प्रतिसंहरण किया हुआ माना जाएगा।”।

6. उक्त नियमों के नियम 23 के उप-नियम (1) में तारीख 01 अक्तूबर, 2023 से-

(क) “रजिस्ट्रीकरण के रद्दकरण के आदेश की तारीख से तीस दिवस की अवधि के भीतर” शब्दों के स्थान पर “रजिस्ट्रीकरण के रद्दकरण के आदेश की तारीख से नब्बे दिवस की अवधि के भीतर” शब्द रखे जाएंगे;

(ख) पहले परंतुक में, “परन्तु” शब्द के स्थान पर निम्नलिखित को रखा जाएगा, अर्थात्:-

“परन्तु ऐसी अवधि का पर्याप्त कारण दिखाए जाने पर और लेखबद्ध किए जाने वाले कारणों के लिए आयुक्त या इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा जो यथास्थिति, अप्पर आयुक्त या संयुक्त आयुक्त की रैंक से नीचे का न हो, एक सौ अस्सी दिन से अनधिक की किसी अतिरिक्त अवधि के लिए बढ़ाई जा सकेगी:

परन्तु यह और कि”;

(ग) दूसरे परंतुक में। “परन्तु वह और” शब्दों के स्थान पर “परन्तु यह भी” शब्द रखे जाएंगे।

7. उक्त नियमों के नियम 25 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात्:-

“25. कतिपय मामलों में कारबार परिसर का भौतिक सत्यापन-

(1) जहां समुचित अधिकारी का यह समाधान हो जाता है कि रजिस्ट्रीकरण प्रदान करने के पश्चात् किसी व्यक्ति के कारबार के स्थान का भौतिक सत्यापन अपेक्षित है, तो वह कारबार के स्थान का सत्यापन कराएगा और फोटो सहित सत्यापन रिपोर्ट के साथ अन्य दस्तावेजों को, ऐसे सत्यापन की तारीख से आगामी पंद्रह कार्य दिवस की अवधि के भीतर प्ररूप जीएसटीआरईजी -30 में सामान्य पोर्टल पर अपलोड करेगा।

(2) जहाँ नियम 9 के उप-नियम (1) के परंतुक में विनिर्दिष्ट परिस्थितियों में रजिस्ट्रीकरण प्रदान करने से पहले किसी व्यक्ति के कारबार के स्थान का भौतिक सत्यापन अपेक्षित

है, तो समुचित अधिकारी कारबार के स्थान का ऐसा सत्यापन कराएगा और फोटो सहित सत्यापन रिपोर्ट के साथ अन्य दस्तावेजों को उक्त परंतुक में विनिर्दिष्ट समयावधि के पूर्ण होने से कम से कम पांच कार्य दिवस पूर्व प्ररूप जीएसटी आरईजी-30 में सामान्य पोर्टल पर अपलोड करेगा।”।

8. उक्त नियमों के नियम 43 में, उप-नियम (5) के पश्चात्—

(क) स्पष्टीकरण 1 के खंड (ग) का लोप किया जाएगा:

(ख) स्पष्टीकरण 2 के पश्चात् 1 अक्टूबर, 2023 से प्रभावी निम्नलिखित स्पष्टीकरण अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“स्पष्टीकरण 3.—नियम 42 और इस नियम के प्रयोजन के लिए, अधिनियम की अनुसूची 3 के पैरा 8 के उप-पैरा (क) में उल्लिखित ऐसे क्रियाकलाप या संव्यवहार, जिन्हें अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3) के स्पष्टीकरण के खंड (ख) के अधीन छूट प्राप्त आपूर्तियों के मूल्य में सम्मिलित किया जाना अपेक्षित है, का मूल्य अंतर्राष्ट्रीय विमान पत्तनों में आने वाले यात्रियों के लिए पहुंच टर्मिनल पर शुल्क रहित दुकानों से मालों की आपूर्ति का मूल्य होगा।”।

9. उक्त नियमों के नियम 46 खंड (च) के परंतुक में, “प्राप्तकर्ता का नाम और पता के साथ उसका पिन कोड और राज्य के नाम शामिल करना होगा और उक्त पते को प्राप्तकर्ता के रिकॉर्ड पर पता समझा जाएगा” शब्दों के स्थान पर “प्राप्तकर्ता के राज्य का नाम और इसे प्राप्तकर्ता के अभिलेख में पते के रूप में समझा जाएगा” शब्द रखे जाएंगे ;

10. उक्त नियमों के नियम 59 के उप-नियम (6) के खंड (घ) के पश्चात्, निम्नलिखित खंड अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(ड) कोई रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, जिसे किसी कर अवधि या अवधियों के संबंध में नियम 88घ के उप-नियम (1) के उपबन्धों के अधीन सामान्य पोर्टल पर कोई इत्तला जारी की गई है, को प्ररूप जीएसटी-1 में धारा 37 के अधीन माल या सेवाओं या दोनों की जावक आपूर्तियों के ब्यौरे प्रस्तुत करने या किसी पश्चात्वर्ती कर अवधि के लिए बीजक प्रस्तुत करने की प्रसुविधा का उपयोग करने के लिए तब तक अनुज्ञात नहीं किया जाएगा, जब तक कि वह या तो उक्त इत्तला में यथा विनिर्दिष्ट अधिक इनपुट कर प्रत्यय के समतुल्य रकम को संदत्त नहीं करता है या नियम 88घ के उप-नियम (2) के उपबन्धों के अधीन यथा अपेक्षित अधिक इनपुट कर प्रत्यय की रकम जिसका संदाय किया जाना अभी शेष है, के संबंध में कारणों को स्पष्ट करते हुए कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं करता है ;

(च) किसी रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति को प्ररूप जीएसटी-1 में धारा 37 के अधीन माल या सेवाओं या दोनों की जावक आपूर्तियों के ब्यौरे प्रस्तुत करने या बीजक प्रस्तुत करने की प्रसुविधा का उपयोग करने के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा, यदि उसने नियम 10क के उपबन्धों के अनुसार बैंक खाते के ब्यौरे प्रस्तुत नहीं किए हैं।”।

11. उक्त नियमों के नियम 64 में, 01 अक्टूबर, 2023 से “भारत से बाहर किसी स्थान से भारत में किसी व्यक्ति को ऑनलाइन सूचना और डाटाबेस पहुंच या पुनः प्राप्ति सेवाएं प्रदान करने वाला रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति से भिन्न रजिस्ट्रीकृत प्रत्येक व्यक्ति” शब्दों के स्थान पर “भारत से बाहर किसी स्थान से एकीकृत माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (2017 का 13) की धारा 14 में निर्दिष्ट गैर-कराधेय ऑनलाइन प्राप्तकर्ता या किसी रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति को ऑनलाइन सूचना और डाटाबेस पहुंच या पुनः प्राप्ति सेवाएं प्रदान करने वाला प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति शब्द रखे जाएंगे।

12. उक्त नियमों के नियम 67 के उप-नियम (2) में 01 अक्तूबर, 2023 से "उप-नियम (1) के अधीन प्रचालक द्वारा प्रस्तुत ब्यौरे" शब्दों, कोष्ठक और अंक के स्थान पर "उप-नियम (1) के अधीन प्रचालक द्वारा प्रस्तुत धारा 52 की उपधारा (1) के अधीन स्रोत पर एकत्र कर के ब्यौरे" शब्द, कोष्ठक और अंक रखे जाएंगे।

13. उक्त नियमों के नियम 88ग के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात:-

"88घ. इनपुट कर प्रत्यय के ब्यौरे अंतर्विष्ट करने वाले स्वजनित विवरण में उपलब्ध इनपुट कर प्रत्यय और जो विवरणी में उपलब्ध है, में भिन्नता से ब्यौहार करने की रीति.-

(1) जहां रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा रूप जीएसटीआर-3ख में प्रस्तुत कर अवधि या अवधियों के लिए विवरणी में उसके द्वारा उपलब्ध इनपुट कर प्रत्यय की रकम, उक्त कर अवधि या अवधियों की बाबत प्ररूप जीएसटीआर 2ख में इनपुट कर प्रत्यय के ब्यौरे अंतर्विष्ट करने वाले स्वजनित विवरण के अनुसार ऐसे व्यक्ति को उपलब्ध इनपुट कर प्रत्यय, यथास्थिति, ऐसी रकम या ऐसे प्रतिशत जो परिषद् द्वारा सिफारिश की जाए, से अधिक है, उक्त रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति को सामान्य पोर्टल पर इलैक्ट्रॉनिक रूप से प्ररूप जीएसटी डीआरसी-01ग के भाग क में ऐसी भिन्नता की सूचना दी जाएगी और ऐसी सूचना की एक प्रति उसे उक्त भिन्नता दर्शित करते हुए और-

(क) प्ररूप जीएसटी डीआरसी-03 के माध्यम से धारा 50 के अधीन संदेय ब्याज के साथ उक्त प्ररूप जीएसटीआर-3ग में उपलब्ध इनपुट कर प्रत्यय के आधिक्य में समतुल्य रकम को सात दिन की अवधि के भीतर संदत्त करेगा, या

(ख) सामान्य पोर्टल इनपुट कर प्रत्यय में उपरोक्त भिन्नता के लिए कारण वर्णित करने, का निदेश देते हुए सात दिन की अवधि के भीतर रजिस्ट्रीकरण के समय प्रदान किए गए या समय-समय पर यथा संशोधित उसके ई-मेल पते पर भी सात दिन की अवधि के भीतर भेजी जाएगी।

(2) उप-नियम (1) में रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति उक्त उप-नियम में निर्दिष्ट सूचना की प्राप्ति पर, या तो,—

(क) प्ररूप जीएसटी डीआरसी-03 के माध्यम से धारा 50 के अधीन संदेय ब्याज की रकम के साथ पूर्णतः या भागतः प्ररूप जीएसटी डीआरसी-01ग के भाग क में यथा विनिर्दिष्ट इनपुट कर प्रत्यय के आधिक्य के समतुल्य रकम उक्त उप-नियम में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर संदत्त करेगा और उसके ब्यौरे सामान्य पोर्टल पर इलैक्ट्रॉनिक रूप में प्ररूप जीएसटी डीआरसी-01ग के भाग ख में प्रस्तुत करेगा, या

(ख) इनपुट कर प्रत्यय के आधिक्य की रकम जो अभी तक संदत्त किए जाने के लिए शेष है, यदि कोई हो, की बाबत कारण सम्मिलित करते हुए प्ररूप जीएसटी डीआरसी-01ग के भाग ख में इलैक्ट्रॉनिक रूप से सामान्य पोर्टल पर प्रत्युत्तर प्रस्तुत करेगा।

(3) जहां उप-नियम (1) में निर्दिष्ट सूचना में विनिर्दिष्ट कोई रकम उक्त उप-नियम में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर संदत्त किए जाने से शेष रह जाती है और ऐसी चूक के लिए रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा कोई स्पष्टीकरण या कारण प्रस्तुत नहीं किया जाता है या जहां ऐसे व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत स्पष्टीकरण या कारण समुचित अधिकारी द्वारा स्वीकार करने योग्य नहीं पाया जाता है, तो उक्त रकम, यथास्थिति, धारा 73 या धारा 74 के उपबंधों के अनुसार मांग के लिए दायी होगी।"

14. उक्त नियमों के नियम 89 में, —

(क) उप-नियम (1) के तीसरे परंतुक में “उसके द्वारा प्रस्तुत किए जाने के लिए अपेक्षित अंतिम विवरणी में शब्दों के स्थान पर “इस प्रकार प्रस्तुत की गई उसके द्वारा प्रस्तुत की जाने के लिए अपेक्षित अंतिम विवरणी में” शब्द रखे जाएंगे ।

(ख) उप-नियम (2) के खंड (ट) में “ऐसा कथन जो कर” शब्दों के स्थान पर “ऐसा कथन जो कर और ब्याज, यदि कोई हो, या संदत्त की गई किसी अन्य रकम” शब्द रखे जाएंगे।”

15. उक्त नियमों में नियम 94 को 1 अक्टूबर, 2023 से उप-नियम (1) के रूप में पुनर्संख्यांकित किया जाएगा और इस प्रकार पुनर्संख्यांकित उप-नियम के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“(2) निम्नलिखित अवधियां, उपनियम (1) के अधीन देरी की अवधि में सम्मिलित नहीं की जाएगी, अर्थात्:—

(क) नियम 92 के उपनियम (3) के अधीन प्ररूप जीएसटी आरएफडी-08 में सूचना की प्राप्ति से पंद्रह दिवस से आगे की कोई समय अवधि, जो आवेदक—

- (i) प्ररूप जीएसटी आरएफडी-09 का प्रत्युत्तर प्रस्तुत करने, या
- (ii) अतिरिक्त दस्तावेज या प्रत्युत्तर प्रस्तुत करने, में लेता है; और

(ख) ऐसी कोई समयावधि, जो या तो आवेदक द्वारा उस बैंक खाते, जिसमें प्रतिदाय जमा किया जाता है, के सही ब्यौरे प्रस्तुत करने के लिए या इस प्रकार प्रस्तुत बैंक खाते के ब्यौरों को विधिमान्य करने के लिए ली गई, जहां आवेदक द्वारा प्रस्तुत बैंक खाते में स्वीकृत प्रतिदाय की रकम जमा नहीं हो सकी थी ।”।

16. उक्त नियमों के नियम 96 के उप-नियम (2) के दोनों परंतुकों का लोप किया जाएगा।

17. उक्त नियमों के नियम 108 के उप-नियम (1) में,—

(क) “इलैक्ट्रॉनिक रूप से या अन्यथा फाइल की जाएगी जैसा आयुक्त द्वारा अधिसूचित किया जाए” शब्दों के स्थान पर “इलैक्ट्रॉनिक रूप से फाइल की जाएगी” शब्द रखे जाएंगे ।

(ख) निम्नलिखित परंतुक अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“परंतु अपील प्राधिकारी को कोई अपील सुसंगत दस्तावेजों के साथ प्ररूप जीएसटी एपीएल- 01 में शारीरिक रूप से फाइल की जा सकेगी, यदि

- (i) आयुक्त इस प्रकार अधिसूचित करे ; या
- (ii) उसे सामान्य पोर्टल पर उस विनिश्चय या आदेश जिसके विरुद्ध अपील की जानी है उपलब्ध नहीं होने के कारण इलैक्ट्रॉनिक रूप से फाइल नहीं की जा सकती है, और ऐसी दशा में एक अनंतिम पावती अपीलार्थी को तुरंत जारी की जाएगी ।”।

18. उक्त नियमों के नियम 109 के उप-नियम (1) में,—

(क) “इलैक्ट्रॉनिक रूप से या अन्यथा फाइल किया जाएगा जैसा आयुक्त द्वारा अधिसूचित किया जाए” शब्दों के स्थान पर “इलैक्ट्रॉनिक रूप से फाइल किया जाएगा” शब्द रखे जाएंगे ।

(ख) निम्नलिखित परंतुक अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“परंतु अपील प्राधिकारी को कोई अपील सुसंगत दस्तावेजों के साथ प्ररूप जीएसटी एपीएल-01 में शारीरिक रूप से फाइल की जा सकेगी, यदि

- (i) आयुक्त इस प्रकार अधिसूचित करे; या
- (ii) उसे सामान्य पोर्टल पर उस विनिश्चय या आदेश जिसके विरुद्ध अपील की जानी है उपलब्ध नहीं होने के कारण इलैक्ट्रॉनिक रूप से फाइल नहीं की जा सकती है, और ऐसी दशा में एक अनंतिम पावती अपीलार्थी को तुरंत जारी की जाएगी।”

19. उक्त नियमों में नियम 142क के पश्चात्, निम्नलिखित नियम अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“142ख. अधिनियम की धारा 79 के अधीन वसूली किए जाने योग्य कतिपय रकम की संसूचना—(1) जहां, नियम 88ग के साथ पठित धारा 75 के अनुसार या अन्यथा, कर या ब्याज की कोई रकम धारा 79 के अधीन वसूली योग्य हो और वह असंदत्त रह गई हो, तो उचित अधिकारी सामान्य पोर्टल पर इलैक्ट्रॉनिक रूप से, प्ररूप जीएसटी डीआरसी-01घ में उक्त रकम के ब्यौरे सूचित करेगा, चूक करने वाले व्यक्ति को, रकम का संदाय, यथास्थिति, लागू ब्याज सहित या ब्याज की रकम का संदाय करने का निर्देश देगा। उक्त सूचना की तारीख से सात दिनों के भीतर और उक्त रकम प्ररूप जीएसटी पीएमटी-01 में इलैक्ट्रॉनिक देयता रजिस्टर के भाग 22 में पोस्ट की जाएगी।

(2) उप-नियम (1) में निर्दिष्ट सूचना को वसूली के लिए नोटिस माना जाएगा।

(3) जहां उपनियम (1) में निर्दिष्ट सूचना में निर्दिष्ट कर या ब्याज की कोई भी रकम उक्त सूचना में निर्दिष्ट अवधि की समाप्ति पर संदाय नहीं की जाती है, वहां उचित अधिकारी उस रकम की वसूली, जो असंदत्त रह गई है, नियम 143 या नियम 144 या नियम 145 या नियम 146 या नियम 147 या नियम 155 या नियम 156 या नियम 157 या नियम 160 के उपबंधों के अनुसार करेगा।”

20. उक्त नियम के नियम 162 में 1 अक्टूबर, 2023 से —

(क) उप-नियम (3) में, “उसके समक्ष कार्यवाही में सहयोग किया है और” शब्दों का लोप किया जाएगा ;

(ख) उप-नियम (3) के पश्चात्, निम्नलिखित उप-नियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“(3क) आयुक्त, नीचे दी गई सारणी के अनुसार उप-नियम (3) के अधीन शमनीय रकम अवधारित करेगा:—

सारणी

क्र.सं.	अपराध	यदि अपराध धारा 132 की उप-धारा (1) के खंड (i) के अधीन दंडनीय है तो शमनीय रकम	यदि अपराध धारा 132 की उप-धारा (1) के खंड (ii) के अधीन दंडनीय है तो शमनीय रकम
1	2	3	4
1.	अधिनियम की धारा 132 की उप-धारा (1) के खंड (क) में विनिर्दिष्ट अपराध।	कर अपवंचन की रकम या गलत रूप से अभिप्राप्त या उपयोग या की गई इनपुट कर प्रत्यय की	कर अपवंचन की रकम या गलत रूप से अभिप्राप्त या उपयोग की गई इनपुट कर

		रकम या गलत रूप से लिए गए प्रतिदाय की रकम के पचहत्तर प्रतिशत तक, ऐसे कर अपवंचन की रकम या गलत रूप से अभिप्राप्त या उपयोग की गई इनपुट कर प्रत्यय की रकम या गलत रूप से लिए गए प्रतिदाय की रकम के न्यूनतम पचास प्रतिशत के अधीन रहते हुए ।	प्रत्यय की रकम या गलत रूप से लिए गए प्रतिदाय की रकम के साठ प्रतिशत तक, ऐसे कर अपवंचन की रकम या गलत रूप से अभिप्राप्त या उपयोग की गई इनपुट कर प्रत्यय की रकम या गलत रूप से लिए गए प्रतिदाय की रकम के न्यूनतम चालीस प्रतिशत के अधीन रहते हुए ।
2.	अधिनियम की धारा 132 की उप-धारा (1) के खंड (ग) में विनिर्दिष्ट अपराध।		
3.	अधिनियम की धारा 132 की उप-धारा (1) के खंड (घ) में विनिर्दिष्ट अपराध।		
4.	अधिनियम की धारा 132 की उप-धारा (1) के खंड (ङ) में विनिर्दिष्ट अपराध।		
5.	अधिनियम की धारा 132 की उप-धारा (1) के खंड (च) में विनिर्दिष्ट अपराध।	कर अपवंचन के पच्चीस प्रतिशत के समतुल्य रकम।	कर अपवंचन के पच्चीस प्रतिशत के समतुल्य रकम।
6.	अधिनियम की धारा 132 की उप-धारा (1) के खंड (छ) में विनिर्दिष्ट अपराध।		
7.	अधिनियम की धारा 132 की उप-धारा (1) के खंड (ज) में विनिर्दिष्ट अपराध।		
8.	अधिनियम की धारा 132 की उप-धारा (1) के खंड (क), खंड (ग) से खंड (च) और खंड (ज) और (झ) में उल्लिखित अपराध करने का प्रयास या अपराध करने के लिए दुष्प्रेरण।	ऐसे कर अपवंचन की रकम या गलत रूप से अभिप्राप्त या उपयोग की गई इनपुट कर प्रत्यय की रकम या गलत रूप से लिए गए प्रतिदाय की रकम के पच्चीस प्रतिशत के समतुल्य रकम।	ऐसे कर अपवंचन की रकम या गलत रूप से अभिप्राप्त या उपयोग की गई इनपुट कर प्रत्यय की रकम या गलत रूप से लिए गए प्रतिदाय की रकम के पच्चीस प्रतिशत के समतुल्य रकम:

परंतु जहां व्यक्ति द्वारा किया गया अपराध उपरोक्त सारणी में विनिर्दिष्ट एक से अधिक प्रवर्गों के अधीन आता है, वहां ऐसी दशा में, शमनीय रकम, उस अपराध के लिए अवधारित रकम, जिसके लिए उच्चतर शमनीय रकम विहित की गई है, होगी।

21. उक्त नियमों में, नियम 162 के पश्चात् 1 अक्टूबर, 2023 से निम्नलिखित नियम अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“163. जानकारी का सहमति आधारित साझाकरण.— (1) जहां कोई रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति निम्नलिखित में दी गई जानकारी साझा करने का विकल्प चुनता है—

(क) समय-समय पर यथासंशोधित, प्ररूप जीएसटी आरईजी-01;

(ख) कतिपय कर अवधियों के लिए प्ररूप जीएसटीआर-3ख में विवरणी;

(ग) समय-समय पर यथासंशोधित, उसके द्वारा जारी बीजकों, नामे नोट और जमापत्र से संबंधित कुछ कर अवधियों के लिए प्ररूप जीएसटीआर -1, धारा 158क (जिसे इसमें इससे पश्चात् “अनुरोध प्रणाली” कहा गया है) की उपधारा (1) में निर्दिष्ट प्रणाली के साथ, अनुरोध करने वाली प्रणाली ऐसी जानकारी साझा करने के लिए उक्त रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति की सहमति अभिप्राप्त करेगी और सामान्य पोर्टल पर कर अवधि ब्यौरों सहित सहमति संसूचित करेगी।

(2) रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति उप-नियम (1) के खंड (ग) के अधीन जानकारी साझा करने के लिए अपनी सहमति अनुरोधकर्ता प्रणाली के साथ ऐसी जानकारी साझा करने के लिए केवल तभी देगा जब

वह उन सभी प्राप्तकर्ताओं की सहमति प्राप्त कर लेगा, जिन्हें उसने उक्त कर अवधि के दौरान बीजक, जमापत्र और नामे नोट जारी किए हैं और जहां वह अपनी सहमति प्रदान करता है, वहां ऐसे प्राप्तकर्ताओं की सहमति प्राप्त की गई मानी जाएगी।

- (3) सामान्य पोर्टल उप-नियम (1) में विनिर्दिष्ट जानकारी उक्त प्रणाली में प्राप्त होने पर अनुरोधकर्ता प्रणाली के साथ संचार करेगा—

(क) उक्त रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति की सहमति ; और

(ख) यथास्थिति, कर अवधि या प्राप्तकर्ताओं का विवरण, जिसके संबंध में जानकारी अपेक्षित है।

22. उक्त नियमों में, प्ररूप जीएसटीआर-3क में, अंत में निम्नलिखित अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“या”

वार्षिक विवरणी फाइल न करने पर व्यतिक्रमी को धारा 46 के अधीन विवरणी भरने का नोटिस वित्तीय वर्ष —विवरणी का प्रकार : जीएसटीआर-9/जीएसटीआर-9क

एक रजिस्ट्रीकृत करदाता होने के कारण, आपको की गई या प्राप्त की गई आपूर्ति के लिए वार्षिक विवरणी प्रस्तुत करना होगा और/या उपरोक्त वित्तीय वर्ष के लिए नियत तारीख तक स्व-प्रमाणित सुलह विवरण शामिल करना होगा। उक्त वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक विवरणी फाइल करने के लिए विनिर्दिष्ट नियत तारीख समाप्त हो गई है और यह देखा गया है कि आपने आज तक उक्त विवरणी फाइल की है।

2. अतः, आपसे अनुरोध है कि आप 15 दिनों के भीतर उक्त विवरणी फाइल करें, जिसके न होने पर, विधि के अनुसार शास्ति अधिरोपित करने सहित उचित कार्रवाई की जाएगी।

3. यदि ऊपर उल्लिखित विवरणी, शास्ति कार्यवाही का कारण बताओ नोटिस जारी होने में पहले आपके द्वारा फाइल की गई है, तो यह नोटिस वापिस ले लिया गया माना जाएगा।

4. यह एक सिस्टम जनरेटेड नोटिस है और इसमें हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है। “

23. उक्त नियमों में, प्ररूप जीएसटीआर-5क में, 1 अक्टूबर, 2023 से प्रवृत्त,—

- (i) शीर्षक में, “ऑनलाइन जानकारी और डाटा बेस अभिगमन का प्रदाय या भारत में और कराधेय व्यक्ति मे पुनः प्राप्ति सेवाओं के ब्यौरे” शब्दों के स्थान पर, “भारत से बाहर अवस्थित व्यक्ति द्वारा गैर कराधेय ऑनलाइन प्राप्तकर्ता (एकीकृत माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 में यथा परिभाषित) और भारत में रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों को ऑनलाइन जानकारी और डाटा बेस पहुंच या पुनः प्राप्ति सेवाओं की आपूर्ति के ब्यौरे” शब्द, कोष्ठक और अंक रखे जाएंगे;

- (ii) क्रम संख्या 4 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टियां रखी जाएंगी, अर्थात् :—

“4. अवधि: महीना — वर्ष.....

4 (क) एआरएन :

4 (ख) एआरएन की तारीख :” ;

(iii) क्रम संख्या 5 में, “उपभोक्ता” शब्द के स्थान पर, “गैर-कर योग्य ऑनलाइन प्राप्तकर्ता” शब्द रखे जाएंगे;

(iv) क्रम संख्या 5क में, “व्यक्तियों” शब्द के स्थान पर, “ऑनलाइन प्राप्तकर्ता” शब्द रखे जाएंगे;

(v) क्रम संख्या 5क और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टियां अंतः स्थापित की जाएंगी, अर्थात्:—

“5ख. गैर कराधेय ऑनलाइन प्राप्तकर्ता के अतिरिक्त, भारत में रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों को की गई कराधेय बाहरी आपूर्ति, जिस पर उक्त रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों द्वारा प्रतिवर्ती भार के आधार पर कर का भुगतान किया जाना है।

(रकम रूपए में)

जीएसटीआईएन	कर योग्य मूल्य
1	2

5ग. गैर-कर योग्य ऑनलाइन प्राप्तकर्ता के अतिरिक्त, भारत में रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों को की गई कर योग्य बाहरी आपूर्ति में संशोधन, जिस पर उक्त रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों द्वारा प्रतिवर्ती भार के आधार पर कर का भुगतान किया जाना है।

(रकम रूपए में)

मास	मूल जीएसटीआईएन	संशोधित जीएसटीआईएन	कर योग्य मूल्य
1	2	3	4
			“ ;

24. उक्त नियमों में, प्ररूप जीएसटीआर-8 में, 1 अक्टूबर, 2023 से प्रवृत्त,—

(क) क्रम संख्या 3 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टियां अंतः स्थापित की जाएंगी, अर्थात्:—

“3.1. अरजिस्ट्रीकृत आपूर्तिकर्ताओं द्वारा ई-कॉमर्स ऑपरेटर के माध्यम से की गई आपूर्ति का विवरण:

आपूर्तिकर्ता नामांकन संख्या	की गई आपूर्ति का सकल मूल्य	लौटाई गई आपूर्ति का मूल्य	आपूर्ति का शुद्ध मूल्य
1	2	3	4
			“ ;

(ख) क्रम संख्या 4 और उसमें संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टियां अंतः स्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

“4.1. अरजिस्ट्रीकृत आपूर्तिकर्ताओं द्वारा ई-कॉमर्स ऑपरेटर के माध्यम से की गई आपूर्ति के विवरण में संशोधन:

मूल विवरण			संशोधित विवरण		
मास	आपूर्तिकर्ता का नामांकन	आपूर्तिकर्ता का नामांकन	की गई आपूर्ति का सकल मूल्य	लौटाई गई आपूर्ति का मूल्य	आपूर्ति का शुद्ध मूल्य
1	2	3	4	5	6
					"।

25. उक्त नियमों में, प्ररूप जीएसटीआर-9 में, 'अनुदेश' शीर्षक के अधीन,—

(क) पैरा 4 में,—

(अ) "या वित्तीय वर्ष 2021-22" शब्दों और अंगों के पश्चात्, "या वित्तीय वर्ष 2022-23" शब्द और अंक अंतःस्थापित किए जाएंगे;

(आ) सारणी के दूसरे स्तंभ में, —

(I) क्रम संख्या 5घ, 5ङ और 5च के सामने, अंत में निम्नलिखित प्रविष्टियां अंतः स्थापित की जाएंगी, अर्थात् —

'वित्त वर्ष 2022-23 के लिए, रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति को गैर-जीएसटी आपूर्ति (5च) की अलग से रिपोर्ट करनी होगी और उसके पास अपनी आपूर्ति को छूट प्राप्त और शून्य रेटेड आपूर्ति के रूप में अलग से रिपोर्ट करने का विकल्प होगा या केवल "छूट" पंक्ति में इन दोनों शीर्षों के लिए समेकित जानकारी की रिपोर्ट करने का विकल्प होगा।';

(II) क्रम संख्या 5ज, 5झ और 5ञ और 5ट के सामने, "2020-21 और 2021-22" अंकों और शब्द के स्थान पर, क्रमशः "2020-21, 2021-22 और 2022-23" अंक और शब्द रखे जाएंगे ;

(ख) पैरा 5 में, सारणी के दूसरे स्तंभ में, —

(अ) क्रम संख्या 6ख, 6ग, 6घ और 6ङ के सामने, "वित्तीय वर्ष 2019-20, 2020-21 और 2021-22", शब्दों और अंकों के स्थान पर, क्रमशः "वित्तीय वर्ष 2019-20, 2020-21, 2021-22 और 2022-23" शब्द और अंक रखे जाएंगे;

(आ) क्रम संख्या 7क, 7ख, 7ग, 7घ, 7ङ, 7च, 7छ और 7ज के सामने, "2020-21 और 2021-22" अंकों और शब्दों के स्थान पर, "2020-21, 2021-22 और 2022-23" अंक और शब्द रखे जाएंगे ;

(ग) पैरा 7 में,—

(अ) "30 नवंबर, 2022 तक फाइल" अंकों और शब्दों के पश्चात्, निम्नलिखित शब्द, अंक और अक्षर अंतः स्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

"वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए, भाग V में पिछले वित्तीय वर्ष के लेनदेन का विवरण शामिल है, लेकिन अप्रैल 2023 से अक्टूबर 2023 तक 30 नवंबर, 2023 तक फाइल किए गए प्ररूप जीएसटीआर-3ख में भुगतान किया गया है।";

(आ) सारणी के दूसरे स्तंभ में,—

(I) क्रम सं. 10 एवं 11 के सामने, अंत में निम्नलिखित अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए, पिछले वित्तीय वर्ष की विवरणी में पहले से घोषित किसी भी आपूर्ति में परिवर्धन या संशोधन का विवरण, लेकिन ऐसे संशोधन अप्रैल 2023 के प्ररूप जीएसटीआर 1 की सारणी 9क, सारणी 9ख और सारणी 9ग में प्रस्तुत किए गए थे। अक्टूबर 2023 से 30 नवंबर, 2023 तक फाइल की गई जानकारी यहां घोषित की जाएगी।”;

(II) क्रम संख्या 12 के सामने,—

- (i) “30 नवंबर, 2022 तक” अंकों और शब्दों के पश्चात् यहां घोषित किया जाएगा। इन विवरणों को भरने के लिए प्ररूप जीएसटीआर-3ख की सारणी 4 (ख) का उपयोग किया जा सकता है।” निम्नलिखित अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए, आईटीसी के उलटाव के संकलित मूल्य जो पिछले वित्तीय वर्ष में लिया गया था, किंतु अप्रैल 2023 से अक्टूबर 2023 के महीनों के लिए 30 नवंबर, 2023 तक विवरणी में उलटाव किया गया था, यहां घोषित किया जाएगा। प्ररूप जीएसटीआर-3ख की सारणी 4 (ख) का इन ब्यौरों को भरने के लिए उपयोग किया जा सकता है।”

- (ii) “2020-21 और 2021-22” अंको और शब्दों के स्थान पर, “2020-21, 2021-22 और 2022-23” अंक और शब्द रखे जाएंगे;

(III) क्रम संख्या 13 के सामने,—

- (i) “वित्तीय वर्ष 2022-23 में पुनः दावा करने, ऐसे दावा किए गए आईटीसी के ब्यौरे वार्षिक विवरणी वित्तीय वर्ष 2022-23 में प्रस्तुत किया जाएगा” शब्दों, अक्षरों और अंकों के पश्चात् निम्नलिखित अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

पिछले वित्तीय वर्ष में, प्राप्त माल और सेवाओं के लिए आईटीसी के ब्यौरे वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए, किंतु अप्रैल 2023 से अक्टूबर 2023 के महीनों के लिए 30 नवंबर, 2023 तक फाइल किए गए विवरणी में आईटीसी का लाभ उठाया गया था, यहां घोषित किया जाएगा। इन ब्यौरों को भरने के लिए प्ररूप जीएसटीआर-3ख की सारणी 4 (क) का उपयोग किया जा सकता है। तथापि, कोई भी आईटीसी जो धारा 16 की उपधारा (2) के दूसरे उपबंध के अनुसार वित्तीय वर्ष 2022-23 में उलट दिया गया था, किंतु वित्तीय वर्ष 2023-24 में पुनः दावा किया गया था, ऐसे पुनः दावा किए गए आईटीसी के ब्यौरे वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए वार्षिक विवरणी के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।”;

- (ii) “2020-21 और 2021-22” अंकों और शब्दों के स्थान पर “2020-21, 2021-22 और 2022-23” अंक और शब्द रखे जाएंगे;

- (घ) पैरा 8 में, सारणी में, दूसरे स्तंभ में,—

(क) (1) 15क, 15ख, 15ग, और 15घ ; और

(2) 15ड, 15च और 15छ

क्रम संख्या के सामने,—

“2020-21 और 2021-22” अंकों और शब्दों के स्थान पर क्रमशः “2020-21, 2021-22 और 2022-23” अक्षर, अंक और शब्द रखे जाएंगे।;

(ख) क्रम संख्यांक 16क, 16ख और 16ग के सामने "2020-21 और 2021-22" शब्दों और आकड़ों के स्थान पर क्रमशः "2020-21, 2021-22 और 2022-23" अक्षर, अंक और शब्द रखे जाएंगे।;

(ग) क्रम संख्यांक 17 और 18 के सामने " वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए" शब्द, अक्षर और आकड़ों के स्थान पर "वित्तीय वर्ष 2021-22 और 2022-23 के लिए" शब्द, अक्षर, और आकड़े रखे जाएंगे।

26. उक्त नियम में, प्ररूप जीएसटीआर – 9ग में,—

(i) भाग क में सारणी में—

(क) क्रम संख्या 9 में, ख और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा अर्थात्:—

"ख-1	6%				" ;
------	----	--	--	--	-----

(ख) क्रम संख्या 11 में, वर्णन "5%" के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा,—

"6%					" ;
-----	--	--	--	--	-----

(ग) भाग 5 में वर्णन "5%" के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्, :—

"6%					" ;
-----	--	--	--	--	-----

(ii) 'अनुदेश' शीर्ष के अधीन,—

(क) पैरा 4 में सारणी में, दूसरे स्तंभ में क्रम संख्या 5ख के सामने "2020-21 और 2021-22" के स्थान पर, "2020-21, 2021-22 और 2022-23" आंकड़े और शब्द रखे जाएंगे ;

(ख) पैरा 6 में सारणी में, दूसरे स्तंभ में क्रम संख्या 14 के सामने "2020-21 और 2021-22" अंकों और शब्दों के स्थान पर, "2020-21, 2021-22 और 2022-23" अंक और शब्द रखे जाएंगे ;

27. उक्त नियमों में, प्ररूप जीएसटी आरएफडी-01 में, उपाबंध 1 में विवरण—साक्ष्य के अधीन सारणी के स्थान पर निम्नलिखित सारणी रखी जाएगी, अर्थात्:—

क्र. सं.	दस्तावेज/बीजक के ब्यौरे			संदत्त रकम के ब्यौरे						दावा किए गए रिफंड के ब्यौरे					
	दस्तावेज का प्रकार	क्षेत्र सं.	तारीख	एकीकृत कर	केंद्रीय कर	राज्य/सं. राज्य क्षेत्र कर	उपकर	ब्याज	कोई अन्य (कृप्या विनिर्दिष्ट करें)	एकीकृत कर	केंद्रीय कर	राज्य/सं. राज्य क्षेत्र कर	उपकर	ब्याज	कोई अन्य (कृप्या विनिर्दिष्ट करें)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16

28. उक्त नियम में, प्ररूप जीएसटी डीआरसी-1ख के पश्चात् निम्नलिखित प्ररूप अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

प्ररूप जीएसटी डीआरसी-1ग
(नियम 88घ देखें)

भाग-क (प्रणाली जनित)

इनपुट कर प्रत्यय और विवरणी में उपभोग किए जाने वाले ब्यौरे में अंतर्विष्ट स्वतः जनित कथन में उपलब्ध इनपुट कर प्रत्यय में अंतर की जानकारी:

निर्देश संख्या :

तारीख :

जीएसटीआईएन:

विधिक नाम :

1. यह देखा गया है कि आपके द्वारा विवरणी में उपभोग किया गया इनपुट कर प्रत्यय प्ररूप जीएसटीआर-3ख में उपयोग करते हुए,रूप की रकम द्वारा <> से <> तक की अवधि के लिए प्ररूप जीएसटीआर-2ख में आपके द्वारा उपलब्ध कराई गई इनपुट कर प्रत्यय के ब्यौरे में अंतर्विष्ट स्वतः जनित विवरण के अनुसार आपके लिए इनपुट कर प्रत्यय की उपलब्ध रकम अधिक है। जिसके ब्यौरे निम्नानुसार है,—

प्ररूप प्रकार	उपलब्ध/उपभोग किया गया इनपुट कर प्रत्यय (रूप में)				
	आईजीएसटी	सीजीएसटी	एसजीएसटी/यूटी जीएसटी	उपकर	कुल
प्ररूप जीएसटीआर-2ख					
प्ररूप जीएसटीआर-3ख					
अधिक उपभोग किया गया निवेश कर क्रेडिट।					

2. नियम 88घ के उप-नियम (1) के अनुसार, आपसे अनुरोध किया जाता है कि या तो धारा 50 के अधीन ब्याज के साथ उक्त अंतर इनपुट कर प्रत्यय का भुगतान प्ररूप जीएसटी डीआरसी -03 के माध्यम से करें प्ररूप जीएसटी डीआरसी-01ग के भाग-ख में उसके ब्यौरे प्रस्तुत करें, और /या प्ररूप जीएसटी डीआरसी 01ग के भाग-ख में उत्तर प्रस्तुत करें, जिसमें अंतर इनपुट कर प्रत्यय के उस हिस्से के संबंध में कारणों को सम्मिलित किया गया है, जो सात दिनों की अवधि के भीतर भुगतान नहीं किया गया है।

3. यह ध्यान दिया जाए कि जहां इनपुट कर प्रत्यय की कोई राशि सात दिनों की अवधि के पूर्ण होने के पश्चात् भुगतान नहीं की जाती है और जहां आपके द्वारा कोई स्पष्टीकरण या कारण प्रस्तुत नहीं किया जाता है या जहां आपके द्वारा दिया गया स्पष्टीकरण या कारण समुचित अधिकारी द्वारा स्वीकार्य नहीं पाया जाता है, यथास्थिति, उक्त राशि उस अधिनियम की धारा 73 या धारा 74 के उपबंधों के अनुसार वसूल की गई समझी जाएगी।

4. यह एक प्रणाली जनित सूचना है और इसमें हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है।

भाग-ख

इनपुट कर प्रत्यय में अंतर की सूचना के संबंध में करदाता द्वारा उत्तर :
सूचना की निर्देशसंख्या:

तारीख:

- अ. मैंने, प्ररूप जीएसटी डीआरसी-01ग के भाग क में यथाविनिर्दिष्ट आधिक्य इनपुट कर प्रत्यय के समतुल्य रकम का, प्ररूप जीएसटी डीआरसी-03 के माध्यम से, धारा 50 के अधीन संदेय ब्याज सहित, पूर्णतः या भागतः, संदाय कर दिया है तथा उसके ब्यौरे निम्नानुसार हैं:

प्ररूप जीएसटीआरसी-03 का एआरएन	शीर्ष के अधीन संदाय	कर अवधि	आईजीएसटी	सीजीएसटी	एसजीएसटी/यूटी जीएसटी	उपकर	ब्याज
1	2	3	4	5	6	7	8

और/या

- आ. आधिक्य इनपुट कर प्रत्यय के उस भाग के संबंध में कारण, जो संदत्त किया जाना बाकी है, निम्नानुसार हैं :

क्रम सं.	अंतर के संक्षिप्त कारण	ब्यौरे (बाध्यकारी)
1.	उक्त कर अवधि में (जिसके अंतर्गत किशतों में माल की प्राप्ति संबंधी मामला भी है। मालों या सेवाओं की आवक आपूर्ति के प्राप्त न होने के कारण पूर्ववर्ती कर अवधि(यों) में उपयोग न किया गया इनपुट कर प्रत्यय।	
2.	अनावधानता या त्रुटि या लोप के कारण पूर्ववर्ती कर अवधि(यों) में उपयोग न किया गया इनपुट कर प्रत्यय।	
3.	ऐसे माल के, जो प्ररूप जीएसटी 2ख में वर्णित नहीं है, आयात के संबंध में उपयोग किया गया इनपुट कर प्रत्यय।	
4.	एमईजेड से आवक आपूर्ति, जो प्ररूप जीएसटी 2ख में दर्शित नहीं है, के संबंध में उपयोग किया गया इनपुट कर प्रत्यय।	
5.	पूर्ववर्ती कर अवधियों में प्रतिवर्ती इनपुट कर प्रत्यय का आधिक्य, जिसका चालू कर अवधि में पुनः दावा किया जा रहा है।	
6.	आपूर्तिकर्ता को पूर्ववर्ती कर अवधि में, नियम 37 के अनुसार प्रतिवर्तित इनपुट कर प्रत्यय के संबंध में किए गए संदाय पर इनपुट कर प्रत्यय का पुनः प्रत्यय।	
7.	आपूर्तिकर्ता द्वारा पूर्ववर्ती कर अवधि में, नियम 37क के अनुसार प्रतिवर्तित इनपुट कर प्रत्यय के संबंध में विवरणी फाइल करने पर इनपुट कर प्रत्यय का पुनः प्रत्यय।	
8.	गलत ब्यौरों के साथ फाइल किया गया प्ररूप जीएसटी 3ख और उसे अगली कर अवधि में संशोधित किया जाएगा (जिसमें टंकन संबंधी गलतियां, गलत कर दर, आदि सम्मिलित हैं)।	
9.	कोई अन्य कारण (कृपया विनिर्दिष्ट करें)	

सत्यापन

मैं,.....सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूं और यह घोषित करता हूं कि ऊपर दी गई जानकारी, मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है तथा उसमें कुछ भी छिपाया नहीं गया है।

प्राधिकृत हस्ताक्षरी के हस्ताक्षर :

नाम :

पदनाम/प्रास्थिति :

स्थान :

तारीख :

प्ररूप जीएसटी डीआरसी-01घ
(नियम 142ख देखें)

धारा 79 के अधीन वसूलनीय रकम की सूचना

निर्देश में :.....

तारीख :.....

1. सूचना के ब्यौरे :

(क) वित्तीय वर्ष :

(ख) कर अवधि :.....से.....
तक।

2. अधिनियम की धारा(ए) या नियम, जिनके अधीन सूचना जारी की जाती है : धारा 79 के साथ पठित धारा 75 (12) के लिए ड्रॉप डाउन या चेक बॉक्स प्रदान किया जाए।

3. संदेय कर, ब्याज या किसी रकम के ब्यौरे :

कर अवधि		अधिनियम	पीओएस (आपूर्ति का स्थान)	कर	ब्याज	शास्ति	फीस	अन्य	योग
से	तक								
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
योग									

आपको सात दिवस के भीतर संदाय करने के लिए निर्देश दिया जाता है, जिसमें असफल रहने पर अधिनियम की धारा 79 के उपबंधों के अनुसार बकाया की वसूली के लिए आपके विरुद्ध कार्यवाहियां आरंभ की जाएंगी।

हस्ताक्षर :.....

नाम :.....

पदनाम.....

अधिकारिता :.....

पता:.....

सेवा में,

जीएसटीआईएन/आईडी

नाम :.....

पता:.....

टिप्पण :

1. केवल लागू खंड भरे जाएं ।”

आदेश द्वारा,

(भरत खेड़ा)

प्रधान सचिव (राज्य कर एवं आबकारी)।

[Authoritative English text of this Department Notification No. EXN-F(10)-5/2023, dated 18-09-2023 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

STATE TAXES AND EXCISE DEPARTMENT

Notification No. 38/2023-State Tax

Dated: Shimla-2, the 18th September, 2023.

No. EXN-F(10)-5/2023.—In exercise of the powers conferred by the Section 164 of the Himachal Pradesh Goods and Services Tax Act, 2017 (10 of 2017), the Governor of Himachal Pradesh, on the recommendations of the Council, is pleased to make the following rules further to amend the Himachal Pradesh Goods and Services Tax Rules, 2017, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh Goods and Services Tax (Second Amendment) Rules, 2023.

(2) Save as otherwise provided in these rules, they shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Himachal Pradesh Goods and Services Tax Rules, 2017 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 8,—

- (i) for sub-rule (4A), the following sub-rule shall be substituted, namely:—

“(4A) Where an applicant, other than a person notified under sub-section (6D) of Section 25, opts for authentication of Aadhaar number, he shall, while submitting the application under sub-rule (4), undergo authentication of Aadhaar number and the date of submission of the application in such cases shall be the date of authentication of the Aadhaar number, or fifteen days from the submission of the application in Part B of **FORM GST REG-01** under sub-rule (4), whichever is earlier.

Provided that every application made under sub-rule (4) by a person, other than a person notified under sub-section (6D) of Section 25, who has opted for authentication of Aadhaar number and is identified on the common portal, based on data analysis and risk parameters, shall be followed by biometric-based Aadhaar authentication and taking photograph of the applicant where the applicant is an individual or of such individuals in relation to the applicant as notified under sub-section (6C) of Section 25 where the applicant is not an individual, alongwith the verification of the original copy

of the documents uploaded with the application in **FORM GST REG-01** at one of the Facilitation Centers notified by the Commissioner for the purpose of this sub-rule and the application shall be deemed to be complete only after completion of the process laid down under this proviso.”;

- (ii) in sub-rule (5), after the words, brackets and figure “sub-rule (4)”, the words, brackets, figure and letter “or sub-rule (4A)”, shall be inserted.

3. In said rules, in rule 9, in sub-rule (1), in the proviso, in the longline, the words “in the presence of the said person” shall be omitted.

4. In the said rules, in rule 10A, for the portion beginning with the words and figure “as soon as may be, but not later than forty-five days” and ending with the words “in order to comply with any other provision” the following shall be substituted, namely:—

“within a period of thirty days from the date of grant of registration, or before furnishing the details of outward supplies of goods or services or both under section 37 in **FORM GSTR-1** or using invoice furnishing facility, whichever is earlier, furnish information with respect to details of bank account on the common portal”.

5. In the said rules, in rule 21A, —

- (i) for sub-rule (2A), the following sub-rule shall be substituted, namely:—

“(2A) Where,—

- (a) a comparison of the returns furnished by a registered person under section 39 with the details of outward supplies furnished in **FORM GSTR-1** or the details of inward supplies derived based on the details of outward supplies furnished by his suppliers in their **FORM GSTR-1**, or such other analysis, as may be carried out on the recommendations of the Council, show that there are significant differences or anomalies indicating contravention of the provisions of the Act or the rules made thereunder, leading to cancellation of registration of the said person, or

- (b) there is a contravention of the provisions of rule 10A by the registered person, the registration of such person shall be suspended and the said person shall be intimated in **FORM GST REG-31**, electronically, on the common portal, or by sending a communication to his e-mail address provided at the time of registration or as amended from time to time, highlighting the said differences, anomalies or non-compliances and asking him to explain, within a period of thirty days, as to why his registration shall not be cancelled.”;

- (ii) in sub-rule (4), after second proviso, the following proviso shall be inserted, namely:—

“Provided also that where the registration has been suspended under sub-rule (2A) for contravention of provisions of rule 10A and the registration has not already been cancelled by the proper officer under rule 22, the suspension of registration shall be deemed to be revoked upon compliance with the provisions of rule 10A.”.

6. In the said rules, in rule 23, in sub-rule (1), with effect from the 1st day of October, 2023,—

- (a) for the part beginning with the words “within a period of thirty days” and ending with the words and figures “section 30”, the words “within a period of ninety days from the date of the service of the order of cancellation of registration” shall be substituted;
- (b) in the first proviso, for the words “Provided that”, the following shall be substituted, namely: —

“Provided that such period may, on sufficient cause being shown, and for reasons to be recorded in writing, be extended by the Commissioner or an officer authorised by him in this behalf, not below the rank of Additional Commissioner or Joint Commissioner, as the case may be, for a further period not exceeding one hundred and eighty days:

Provided further that”;

- (c) in the second proviso, for the words “Provided further”, the words “ Provided also” shall be substituted.
7. In the said rules, for rule 25, the following rule shall be substituted, namely: —

“25. Physical verification of business premises in certain cases. —

- (1) Where the proper officer is satisfied that the physical verification of the place of business of a person is required after the grant of registration, he may get such verification of the place of business done and the verification report along with the other documents, including photographs, shall be uploaded in **FORM GST REG-30** on the common portal within a period of fifteen working days following the date of such verification.
- (2) Where the physical verification of the place of business of a person is required before the grant of registration in the circumstances specified in the proviso to sub-rule (1) of rule 9, the proper officer shall get such verification of the place of business done and the verification report alongwith the other documents, including photographs, shall be uploaded in **FORM GST REG-30** on the common portal atleast five working days prior to the completion of the time period specified in the said proviso.”.

8. In the said rules, in rule 43, after sub-rule (5), —

- (a) in Explanation 1, clause (c) shall be omitted;
- (b) after Explanation 2, with effect from the 1st day of October, 2023, the following Explanation shall be inserted, namely:—

“*Explanation 3.*—For the purpose of rule 42 and this rule, the value of activities or transactions mentioned in sub-paragraph (a) of paragraph 8 of Schedule III of the Act which is required to be included in the value of exempt supplies under clause (b) of the Explanation to sub-section (3) of Section 17 of the Act shall be the value of supply of goods from Duty Free Shops at arrival terminal in international airports to the incoming passengers.”.

9. In the said rules, in rule 46, in clause (f), in the proviso, for the words “name and address of the recipient alongwith its PIN CODE and the name of the State and the said address shall be deemed to be the address on record of the recipient”, the following words “name of the state of the recipient and the same shall be deemed to be the address on record of the recipient” shall be substituted;

10. In the said rules, in rule 59, in sub-rule (6), after clause (d), the following clauses shall be inserted, namely:—

- “(e) a registered person, to whom an intimation has been issued on the common portal under the provisions of sub-rule (1) of rule 88D in respect of a tax period or periods, shall not be allowed to furnish the details of outward supplies of goods or services or both under section 37 in **FORM GSTR-1** or using the invoice furnishing facility for a subsequent tax period, unless he has either paid the amount equal to the excess input tax credit as specified in the said intimation or has furnished a reply explaining the reasons in respect of the amount of excess input tax credit that still remains to be paid, as required under the provisions of sub-rule (2) of rule 88D;
- (f) a registered person shall not be allowed to furnish the details of outward supplies of goods or services or both under section 37 in **FORM GSTR-1** or using the invoice furnishing facility, if he has not furnished the details of the bank account as per the provisions of rule 10A.”.

11. In the said rules, in rule 64, with effect from the 1st day of October, 2023, for the words “person in India other than”, the words “non-taxable online recipient referred to in Section 14 of the Integrated Goods and Services Tax Act, 2017 (13 of 2017) or to” shall be substituted.

12. In the said rules, in rule 67, in sub-rule (2), with effect from the 1st day of October, 2023, for the portion beginning with the words “The details” and ending with the words “suppliers”, the words “The details of tax collected at source under sub-section (1) of Section 52 furnished by the operator under sub-rule (1) shall be made available electronically to each of the registered suppliers” shall be substituted.

13. In the said rules, after rule 88C, the following rule shall be inserted, namely:—

“88D. Manner of dealing with difference in input tax credit available in auto-generated statement containing the details of input tax credit and that availed in return.—

- (1) Where the amount of input tax credit availed by a registered person in the return for a tax period or periods furnished by him in FORM GSTR-3B exceeds the input tax credit available to such person in accordance with the auto-generated statement containing the details of input tax credit in FORM GSTR-2B in respect of the said tax period or periods, as the case may be, by such amount and such percentage, as may be recommended by the Council, the said registered person shall be intimated of such difference in Part A of FORM GST DRC-01C, electronically on the common portal, and a copy of such intimation shall also be sent to his e-mail address provided at the time of registration or as amended from time to time, highlighting the said difference and directing him to—

- (a) pay an amount equal to the excess input tax credit availed in the said **FORM GSTR-3B**, alongwith interest payable under section 50, through **FORM GST DRC-03**, or
 - (b) explain the reasons for the aforesaid difference in input tax credit on the common portal, within a period of seven days.
- (2) The registered person referred to sub-rule (1) shall, upon receipt of the intimation referred to in the said sub-rule, either,—
- (a) pay an amount equal to the excess input tax credit, as specified in Part A of **FORM GST DRC-01C**, fully or partially, alongwith interest payable under section 50, through **FORM GST DRC-03** and furnish the details thereof in Part B of **FORM GST DRC-01C**, electronically on the common portal, or
 - (b) furnish a reply, electronically on the common portal, incorporating reasons in respect of the amount of excess input tax credit that has still remained to be paid, if any, in Part B of **FORM GST DRC-01C**, within the period specified in the said sub-rule.
- (3) Where any amount specified in the intimation referred to in sub-rule (1) remains to be paid within the period specified in the said sub-rule and where no explanation or reason is furnished by the registered person in default or where the explanation or reason furnished by such person is not found to be acceptable by the proper officer, the said amount shall be liable to be demanded in accordance with the provisions of Section 73 or Section 74, as the case may be.”.

14. In the said rules, in rule 89,—(a) in sub-rule (1), in third proviso, for the words “in the last return required to be furnished by him” the words “only after the last return required to be furnished by him has been so furnished” shall be substituted;

- (b) in sub-rule (2), in clause (k), after the words “payment of tax” the words “and interest, if any, or any other amount paid” shall be inserted.

15. In the said rules, rule 94 shall, with effect from the 1st day of October, 2023, be renumbered as sub-rule (1) and after the sub-rule as so renumbered, the following sub-rule shall be inserted, namely:—

“(2) The following periods shall not be included in the period of delay under sub-rule (1), namely:—

- (a) any period of time beyond fifteen days of receipt of notice in **FORM GST RFD-08** under sub-rule (3) of rule 92, that the applicant takes to—
 - (i) furnish a reply in **FORM GST RFD-09**, or
 - (ii) submit additional documents or reply;

and

- (b) any period of time taken either by the applicant for furnishing the correct details of the bank account to which the refund is to be credited or for validating the

details of the bank account so furnished, where the amount of refund sanctioned could not be credited to the bank account furnished by the applicant.”.

16. In the said rules, in rule 96, in sub-rule (2), both the provisos shall be omitted.

17. In the said rules, in rule 108, in sub-rule (1), —

(a) for the words “either electronically or otherwise as may be notified by the Commissioner”, the word “electronically” shall be substituted;

(b) the following proviso shall be inserted, namely:—

“Provided that an appeal to the Appellate Authority may be filed manually in **FORM GST APL-01**, alongwith the relevant documents, only if—

(i) the Commissioner has so notified, or

(ii) the same cannot be filed electronically due to non-availability of the decision or order to be appealed against on the common portal, and in such case, a provisional acknowledgement shall be issued to the appellant immediately.”.

18. In the said rules, in rule 109, in sub-rule (1),—

(a) for the words “either electronically or otherwise as may be notified by the Commissioner”, the word “electronically” shall be substituted;

(b) the following proviso shall be inserted, namely:—

“Provided that an appeal to the Appellate Authority may be filed manually in **FORM GST APL-03**, alongwith the relevant documents, only if—

(i) the Commissioner has so notified, or

(ii) the same cannot be filed electronically due to non-availability of the decision or order to be appealed against on the common portal, and in such case, a provisional acknowledgement shall be issued to the appellant immediately.”.

19. in the said rules, after rule 142A, the following rule shall be inserted, namely:—

“142B. Intimation of certain amounts liable to be recovered under section 79 of the Act.—(1) Where, in accordance with Section 75 read with rule 88C, or otherwise, any amount of tax or interest has become recoverable under section 79 and the same has remained unpaid, the proper officer shall intimate, electronically on the common portal, the details of the said amount in **FORM GST DRC-01D**, directing the person in default to pay the said amount, alongwith applicable interest, or, as the case may be, the amount of interest, within seven days of the date of the said intimation and the said amount shall be posted in Part-II of Electronic Liability Register in **FORM GST PMT-01**.

(2) The intimation referred to in sub-rule (1) shall be treated as the notice for recovery.

- (3) Where any amount of tax or interest specified in the intimation referred to in sub-rule (1) remains unpaid on the expiry of the period specified in the said intimation, the proper officer shall proceed to recover the amount that remains unpaid in accordance with the provisions of rule 143 or rule 144 or rule 145 or rule 146 or rule 147 or rule 155 or rule 156 or rule 157 or rule 160.”.

20. In the said rules, in rule 162, with effect from the 1st day of October, 2023, –

- (a) in sub-rule (3), the words “has cooperated in the proceedings before him and” shall be omitted;
- (b) after sub-rule (3), the following sub-rule shall be inserted, namely:—

“(3A) The Commissioner shall determine the compounding amount under sub-rule (3) as per the Table below:—

TABLE

Sl. No.	Offence	Compounding amount if offence is punishable under clause (i) of sub-section (1) of Section 132	Compounding amount if offence is punishable under clause (ii) of sub-section (1) of Section 132
1	2	3	4
1.	Offence specified in clause (a) of sub-section (1) of Section 132 of the Act.	Up to seventy-five percent of the amount of tax evaded or the amount of input tax credit wrongly availed or utilised or the amount of refund wrongly taken, subject to minimum of fifty percent of such amount of tax evaded or the amount of input tax credit wrongly availed or utilised or the amount of refund wrongly taken.	Up to sixty percent of the amount of tax evaded or the amount of input tax credit wrongly availed or utilised or the amount of refund wrongly taken, subject to minimum of forty percent of such amount of tax evaded or the amount of input tax credit wrongly availed or utilised or the amount of refund wrongly taken.
2.	Offence specified in clause (c) of sub-section (1) of Section 132 of the Act.		
3.	Offence specified in clause (d) of sub-section (1) of Section 132 of the Act.		
4.	Offence specified in clause (e) of sub-section (1) of Section 132 of the Act.		
5.	Offence specified in clause (f) of sub-section (1) of Section 132 of the Act.	Amount equivalent to twenty-five percent of tax evaded.	Amount equivalent to twenty-five percent of tax evaded.
6.	Offence specified in clause (h) of sub-section (1) of Section 132 of the Act.		
7.	Offence specified in clause (i) of sub-section (1) of Section 132 of the Act.		
8.	Attempt to commit the offences or abets the commission of offences mentioned in clause (a), (c) to (f) and clauses (h) and (i) of sub-section (1) of Section 132 of the Act .	Amount equivalent to twenty-five percent of such amount of tax evaded or the amount of input tax credit wrongly availed or utilised or the amount of refund wrongly taken.	Amount equivalent to twenty-five percent of such amount of tax evaded or the amount of input tax credit wrongly availed or utilised or the amount of refund wrongly taken:

Provided that where the offence committed by the person falls under more than one category specified in the Table above, the compounding amount, in such case, shall be the amount determined for the offence for which higher compounding amount has been prescribed.”.

21. In the said Rules, after rule 162, with effect from the 1st day of October, 2023, the following rule, shall be inserted, namely:—

“163. Consent based sharing of information.—(1) Where a registered person opts to share the information furnished in—

- (a) FORM GST REG-01 as amended from time to time;
 - (b) return in FORM GSTR-3B for certain tax periods;
 - (c) FORM GSTR-1 for certain tax periods, pertaining to invoices, debit notes and credit notes issued by him, as amended from time to time, with a system referred to in sub-Section (1) of section 158A (hereinafter referred to as “requesting system”), the requesting system shall obtain the consent of the said registered person for sharing of such information and shall communicate the consent alongwith the details of the tax periods, where applicable, to the common portal.
- (2) The registered person shall give his consent for sharing of information under clause (c) of sub-rule (1) only after he has obtained the consent of all the recipients, to whom he has issued the invoice, credit notes and debit notes during the said tax periods, for sharing such information with the requesting system and where he provides his consent, the consent of such recipients shall be deemed to have been obtained.
- (3) The common portal shall communicate the information referred to in sub-rule (1) with the requesting system on receipt from the said system—
- (a) the consent of the said registered person, and
 - (b) the details of the tax periods or the recipients, as the case may be, in respect of which the information is required.”.

22. In the said rules, in FORM GSTR-3A, the following shall be inserted at the end, namely:—

or

Notice to return defaulter u/s 46 for not filing annual return

Financial year:

Type of Return –GSTR-9/GSTR-9A

Being a registered taxpayer, you are required to furnish annual return for the supplies made or received and/or to include self-certified reconciliation statement for the aforesaid financial year by due date. The due date specified for filing annual return for the said financial year is over and it has been noticed that you have not filed the said return till date.

2. You are, therefore, requested to furnish the said return within 15 days failing which appropriate action including imposition of penalty as per law will be taken.

3. This notice shall be deemed to have been withdrawn in case the return referred above, is filed by you before issue of the show cause notice of penalty proceeding.
4. This is a system generated notice and does not require signature.”.

23. In the said rules, in FORM GSTR-5A, with effect from 1st day of October, 2023:—

- (i) in the heading, for the words “persons in India”, the words, brackets and figure “**online recipient (as defined in Integrated Goods and Services Tax Act, 2017) and to registered persons in India**” shall be substituted;

- (ii) for serial number 4 and the entries relating thereto, the following serial number and entries shall be substituted, namely:—

“4. Period: Month..... Year.....

4(a) ARN:

4(b) Date of ARN:”;

- (iii) in serial number 5, for the word “consumers”, the words “non-taxable online recipient” shall be substituted;

- (iv) in serial number 5A, for the word “persons”, the words “online recipient” shall be substituted;

- (v) after serial number 5A and the entries relating thereto, the following serial numbers and entries shall be inserted, namely:

“5B. Taxable outward supplies made to registered persons in India, other than non-taxable online recipient, on which tax is to be paid by the said registered persons on reverse charge basis

(Amount in Rupees)

GSTIN	Taxable Value
1	2

5C. Amendments to the taxable outward supplies made to registered persons in India, other than non-taxable online recipient, on which tax is to be paid by the said registered persons on reverse charge basis

(Amount in Rupees)

Month	Original GSTIN	Revised GSTIN	Taxable Value
1	2	3	4

24. In the said rules, in **FORM GSTR-8**, with effect from the 1st day of October, 2023,—
(a) after serial number 3 and the entries relating thereto, the following serial number and entries, shall be inserted, namely;—

“3.1. Details of supplies made through e-commerce operator by un-registered suppliers

Enrolment no. of supplier	Gross value of supplies made	Value of supplies returned	Net value of the supplies
1	2	3	4

(b) after serial number 4 and the entries relating thereto, the following serial number and entries , shall be inserted, namely;—

“4.1. Amendments to details of supplies made through e-commerce operator by unregistered suppliers

Original details			Revised details		
Month	Enrolment No. of supplier	Enrolment No. of supplier	Gross value of supplies made	Value of supplies returned	Net value of the supplies
1	2	3	4	5	6

25. In the said rules, in **FORM GSTR-9**, under the heading ‘Instructions’, —

(a) in paragraph 4, —

(A) after the word, letters and figures “or FY 2021-22”, the word, letters and figures “or FY 2022-23” shall be inserted;

(B) in the Table, in second column, —

(I) against serial numbers 5D, 5E and 5F, the following entries shall be inserted at the end, namely: —

‘For FY 2022-23, the registered person shall report Non-GST supply (5F) separately and shall have an option to either separately report his supplies as exempted and nil rated supply or report consolidated information for these two heads in the “exempted” row only.’;

(II) against serial numbers 5H, 5-I and 5J & 5K, for the figures and word “2020-21 and 2021-22”, the figures and word “2020-21, 2021-22 and 2022-23” shall respectively be substituted;

(b) in paragraph 5, in the Table, in second column, —

- (A) against serial numbers 6B, 6C, 6D and 6E, for the letters and figures “FY 2019-20, 2020-21 and 2021-22”, the letters, figures and word “FY 2019-20, 2020-21, 2021-22 and 2022-23” shall respectively be substituted;
- (B) against serial numbers 7A, 7B, 7C, 7D, 7E, 7F, 7G and 7H, for the figures and word “2020-21 and 2021-22”, the figures and word “2020-21, 2021-22 and 2022-23” shall be substituted;
- (c) in paragraph 7, —

- (A) after the words and figures “filed upto 30th November, 2022.”, the following words, figures and letters shall be inserted, namely:—

“For FY 2022-23, Part V consists of particulars of transactions for the previous financial year but paid in the FORM GSTR-3B of April, 2023 to October, 2023 filed upto 30th November, 2023.”;

- (B) in the Table, in second column, —

- (I) against serial numbers 10 & 11, the following shall be inserted at the end, namely:—

“For FY 2022-23, details of additions or amendments to any of the supplies already declared in the returns of the previous financial year but such amendments were furnished in Table 9A, Table 9B and Table 9C of FORM GSTR-1 of April, 2023 to October, 2023 filed upto 30th November, 2023 shall be declared here.”;

- (II) against serial number 12,—

- (i) after the words, figures and brackets “upto 30th November, 2022 shall be declared here. Table 4(B) of FORM GSTR-3B may be used for filling up these details.”, the following shall be inserted, namely: —

“For FY 2022-23, aggregate value of reversal of ITC which was availed in the previous financial year but reversed in returns filed for the months of April, 2023 to October, 2023 filed upto 30th November, 2023 shall be declared here. Table 4(B) of FORM GSTR-3B may be used for filling up these details.”;

- (ii) for the figures and word “2020-21 and 2021-22”, the figures and word “2020-21, 2021-22 and 2022-23” shall be substituted;

- (III) against serial number 13, —

- (i) after the words, letters and figures “reclaimed in FY 2022-23, the details of such ITC reclaimed shall be furnished in the annual return for FY 2022-23,”, the following shall be inserted, namely: —

“For FY 2022-23, details of ITC for goods or services received in the previous financial year but ITC for the same was availed in returns

filed for the months of April, 2023 to October, 2023 filed upto 30th November, 2023 shall be declared here. Table 4(A) of FORM GSTR-3B may be used for filling up these details. However, any ITC which was reversed in the FY 2022-23 as per second proviso to sub-section (2) of section 16 but was reclaimed in FY 2023-24, the details of such ITC reclaimed shall be furnished in the annual return for FY 2023-24.”;

(ii) for the figures and word “2020-21 and 2021-22”, the figures and word “2020-21, 2021-22 and 2022-23” shall be substituted;

(d) in paragraph 8, in the Table, in second column,—

(A) against serial numbers,—

(I) 15A, 15B, 15C and 15D; and

(II) 15E, 15F and 15G, for the figures and word “2020-21 and 2021-22”, the letters, figures and word “2020-21, 2021-22 and 2022-23” shall respectively be substituted.”;

(B) against serial numbers 16A, 16B and 16C, for the figures and word “2020-21 and 2021-22”, the figures and word “2020-21, 2021-22 and 2022-23” shall respectively be substituted.”;

(C) against serial numbers 17 & 18, for the word, letter and figures “For FY 2021-22”, the words, letter and figures “For FY 2021-22 and 2022-23” shall be substituted.”.

26. In the said rules, in **FORM GSTR-9C**,—

(i) in Part A, in the table –

(a) in Sl No. 9, after B and the entries relating thereto, the following shall be inserted,

“B-1	6%					”;
------	----	--	--	--	--	----

namely: —

(b) in Sl No.11, after description “5%”, the following shall be inserted, namely:—

6%					”;
----	--	--	--	--	----

(c) in Pt. V, after description “5%”, the following shall be inserted, namely:—

6%					”;
----	--	--	--	--	----

(ii) under the heading ‘Instructions’, —

- (a) in paragraph 4, in the Table, in second column, against Serial no. 5B, for the figures and word “2020-21 and 2021-22”, the figures and word “2020-21, 2021-22 and 2022-23” shall be substituted;
- (b) in paragraph 6, in the Table, in second column, against serial number 14, for the figures and word “2020-21 and 2021-22”, the figures and word “2020-21, 2021-22 and 2022-23” shall be substituted.

27. In the said rules, in **FORM GST RFD-01**, in Annexure-1, under Statement-7, for the Table, the following Table shall be substituted, namely:—

Sl. No.	Document/Invoice Details			Details of amount paid						Details of refund claimed					
	Type of document	ARN No.	Date	Integrated Tax	Central Tax	State/UT Tax	Cess	Interest	Any other (please)	Integrated Tax	Central Tax	State/UT Tax	Cess	Interest	specify)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16

28. In the said rules, after **FORM GST DRC-01B**, the following forms shall be inserted, namely:—

“FORM GST DRC-01C
[See rule 88D]

PART-A (System Generated)

Intimation of difference in input tax credit available in auto-generated statement containing the details of input tax credit and that availed in return

Ref No:

Date:

GSTIN:

Legal Name:

1. It is noticed that the input tax credit availed by you in the return furnished in **FORM GSTR-3B** exceeds the amount of input tax credit available to you in accordance with the auto-generated statement containing the details of input tax credit made available to you in **FORM GSTR-2B** for the period<from><to> by an amount of Rs.
The details thereof are as follows:

Form Type	Input tax credit available/availed (in Rs.)				
	IGST	CGST	SGST/UTGST	Cess	Total
FORM GSTR-2B					
FORM GSTR-3B					
Excess input tax credit availed					

2. In accordance with sub-rule (1) of rule 88D, you are hereby requested to either pay an amount equal to the said excess input tax credit, alongwith interest payable under section 50, through **FORM GST DRC-03** and furnish the details thereof in Part-B of

FORM GST DRC-01C, and/or furnish the reply in **Part-B** of **FORM GST DRC-01C** incorporating reasons in respect of that part of the excess input tax credit that has remained to be paid, within a period of seven days.

3. It may be noted that where any amount of the excess input tax credit remains to be paid after completion of a period of seven days and where no explanation or reason for the same is furnished by you or where the explanation or reason furnished by you is not found to be acceptable by the proper officer, the said amount shall be liable to be demanded in accordance with the provisions of Section 73 or Section 74, as the case may be, of the Act.
4. This is a system generated notice and does not require signature.

PART-B

Reply by Taxpayer in respect of the intimation of difference in input tax credit

Reference No. of Intimation:

Date: '

A. I have paid the amount equal to the excess input tax credit, as specified in **Part A** of **FORM GST DRC-01C**, fully or partially, alongwith interest payable under section 50, **through FORM GST DRC-03**, and the details thereof are as below:

ARN of FORM GST DRC-03	Paid Under Head	Tax Period	IGST	CGST	SGST/UTGST	CESS	Interest
1	2	3	4	5	6	7	8

AND/OR

B. The reasons in respect of that part of the excess input tax credit that has remained to be paid are as under:

Sl. No.	Brief Reasons for Difference	Details (Mandatory)
1.	Input tax credit not availed in earlier tax period(s) due to non-receipt of inward supplies of goods or services in the said tax period (including in case of receipt of goods in instalments).	
2.	Input tax credit not availed in earlier tax period(s) inadvertently or due to mistake or omission.	
3.	ITC availed in respect of import of goods, which is not reflected in FORM GSTR-2B.	
4.	ITC availed in respect of inward supplies from SEZ, which are not reflected in FORM GSTR-2B.	
5.	Excess reversal of ITC in previous tax periods	

	which is being reclaimed in the current tax period.	
6.	Recredit of ITC on payment made to supplier, in respect of ITC reversed as per rule 37 in earlier tax period.	
7.	Recredit of ITC on filing of return by the supplier, in respect of ITC reversed as per rule 37A in earlier tax period.	
8.	FORM GSTR-3B filed with incorrect details and will be amended in next tax period (including typographical errors, wrong tax rates, etc.)	
9.	Any other reasons (Please specify)	

Verification

I _____ hereby solemnly affirm and declare that the information given hereinabove is true and correct to the best of my knowledge and belief and nothing has been concealed therefrom.

Signature of Authorised Signatory

Name:

Designation/Status:

Place:

Date:

FORM GST DRC-01D (See rule 142B)

Intimation for amount recoverable under section 79

Reference No.

Date:

1. Details of intimation:

(a) Financial year:

(b) Tax period:

From..... To.....

2. Section(s) of the Act or rule (s) under which intimation is issued: < Drop down or check box for section 75 (12) r/w 79 may be provided>

3. Details of tax, interest or any amount payable:

(Amount in Rs.)

Tax Period		Act	POS (Place of Supply)	Tax	Interest	Penalty	Fee	Other	Total
From	To								
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Total									

You are hereby directed to make the payment within seven days failing which proceedings shall be initiated against you to recover the outstanding dues as per the provisions of section 79 of the Act.

Signature:.....

Name:.....

Designation:.....

Jurisdiction:....

Address:

To,

GSTIN/ID:

Name:

Address:

Note :-

1. Only applicable fields may be filled up.”

By order,

Sd/-

(BHARAT KHERA),
Pr. Secretary (ST&E)

**GOVERNOR'S SECRETARIAT, HIMACHAL PRADESH,
RAJ BHAVAN, SHIMLA-171002.**

NOTIFICATION

Dated, 28th September, 2023

No. 3-130/87-GS.—The Governor, Himachal Pradesh is pleased to order that Sh. Vivek Chand Spehia, Under Secretary, Governor's Secretariat, Himachal Pradesh shall retire from Government service on the afternoon of 28-02-2024.

Sd/-

*Secretary to Governor,
Himachal Pradesh.*